वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 287 | बुधवार 14 फरवरी 2024 | दैनिक ई-पेपर

# शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

## राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु राजस्थान प्रवास पर

### मुख्यमंत्री शर्मा ने किया भावभरा स्वागत

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु अपने राजस्थान प्रवास के पहले दिन मंगलवार शाम को जयपुर पहुंची। राष्ट्रपति के जयपुर एयरपोर्ट पहुंचने पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका भावभरा स्वागत किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा, मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक उत्कल रंजन साहू, दक्षिण-पश्चिमी कमान के जनरल ऑफिसर कमाण्डिंग लेफ्टि. जनरल धीरज सेठ सहित वरिष्ठ अधिकारीगण एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

## श्री विमलनाथ भगवान का जन्म-तप कल्याणक महोत्सव मनाया गया

**प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया**

**भीलवाड़ा।** बापू नगर स्थित श्री पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर में मुनि शुभम सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में श्रीविमलनाथ भगवान का जन्म- तप कल्याण महोत्सव मनाया गया। ट्रस्ट मंत्री पूनम चंद सेठी ने बताया कि प्रतिमाओं पर अभिषेक करने के बाद मुनि शुभम सागर महाराज के मुखारबिद से लक्ष्मीकांत जैन, रूपेश कासलीवाल, राजकुमार शाह, चांदमल जैन आदि ने शांतिनाथ एवं पार्श्वनाथ भगवान पर शांतिधारा की। श्री विमलनाथ भगवान की पूजा- अर्चना कर अर्ध समर्पण किये।

### शहीद रोहिताश लांबा का मूर्ति अनावरण समारोह

## बलिदान की कोई कीमत नहीं, सैनिक कल्याण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धः मुख्यमंत्री शर्मा

**शहीद के नाम पर गोविंदपुरा (बासड़ी) में खुलेगा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र - आवागमन होगा सुगम**

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार किसान, युवा एवं सैनिक कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। हमारी सरकार ने अपने पहले बजट में किसानों को देय सम्मान निधि की राशि 2 हजार रूपए बढ़ा कर 8 हजार करने एवं गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर प्रति क्विंटल 125 रूपए का अतिरिक्त बोनस देने जैसे महत्वपूर्ण निर्णय किए हैं। मुख्यमंत्री शर्मा मंगलवार को शाहपुरा के गोविंदपुरा (बासड़ी) में शहीद रोहिताश लांबा की मूर्ति अनावरण के अवसर पर आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। शहीद लांबा को नमन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलवामा आतंकी हमले में अपने प्राण न्यौछावर करने वाले इस बेटे को देश हमेशा याद रखेगा। मातृभूमि की रक्षा के लिए उनके बलिदान की कीमत नहीं आंकी जा सकती। वे देश व प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणा के स्त्रोत है। इस अवसर पर उन्होंने गोविंदपुरा (बासड़ी) में शहीद रोहिताश लांबा के नाम पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खोलने एवं 500 मीटर सड़क के निर्माण की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने शहीद रोहिताश लांबा की मूर्ति का अनावरण एवं पट्टी का लोकार्पण भी किया। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार अंत्योदय के विचार को केन्द्र में रखकर कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से आमजन को भरपूर राहत प्रदान कर रही है। हमारी सरकार प्रदेश की महिलाओं को 450 रूपए में सिलेंडर उपलब्ध करवाकर आर्थिक राहत पहुंचा रही है। साथ ही, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में 10 प्रतिशत की वृद्धि भी की गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश को गैंगवार से मुक्त करने की दिशा में राज्य सरकार सख्त कदम उठा रही है। इस संबंध में एंटी गैंगस्टर टास्कफोर्स गठित की गई है एवं जेलों का सघन निरीक्षण भी किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नए भारत का उदय हुआ है। भारत सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए आतंकवाद पर कडे.प्रहार कर रही है। 26 जनवरी, 2019 को बालाकोट एयर स्ट्राइक कर भारतीय सेना ने पाकिस्तान को मुंह तोड़ जवाब दिया था। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने 1893 में भारत को विश्वगुरू बनाने का आह्वान किया था। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में आज देश इस पथ पर तेजी से अग्रसर है और शीघ्र ही भारत विश्वगुरू बनेगा। उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि हमें अपने सुरक्षा बलों पर गर्व है कि वे दिन-रात देश की सीमाओं पर मुस्तैद रहकर हमारी रक्षा करते हैं। उनके त्याग एवं समर्पण और मातृभूमि की रक्षा करने वाली भावना से आज के युवा प्रेरणा लें। इस दौरान कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा एवं नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने भी समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर विधायक कुलदीप धनखड़, जिला प्रमुख रमा देवी चैपड़ा, पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष राव राजेन्द्र सिंह, पूर्व विधायक रामलाल शर्मा, सीआरपीएफ महानिरीक्षक विक्रम सहगल सहित वीरांगनाओं और उनके परिजन तथा आमजन समारोह में उपस्थित रहे।

# पंचकल्याणक महोत्सव के दौरान श्रद्धालुओं ने ज्ञान कल्याणक की क्रियाएं संपन्न हुई

## पाषाण से बने भगवान प्रतिमा को श्रद्धा से प्रतिष्ठित किया

मनोज सोनी. शाबाश इंडिया

निंबाहेड़ा। नगर में दिगंबर जैन धर्मावलंबियों ने पंचकल्याणक महोत्सव के चौथे दिन मंगलवार को ज्ञान कल्याणक दिवस पर भगवन की आहार चर्या पदगहन विधि के साथ भव्य समोसरण की रचना कर उनकी दिव्य ध्वनि खेरने के कार्यक्रम को अभिनीत किया। समाज के प्रवक्ता मनोज सोनी आचार्य विद्या सागर महाराज के शिष्य मुनिश्री विमलसागर जी , मुनिश्री अनंतसागर जी , मुनिश्री धर्मसागर जी एवं मुनिश्री भावसागर जी के सानिध्य में एवं ब्रह्मचारी प्रदीप भैयाजी 'सुयश' अशोक नगर के निर्देशन में आदिनाथ मांगलिक भवन में आनंद प्रदायक पंचकल्याणक महामहोत्सव के अंतर्गत मंगलवार को श्रद्धालुओ ने ज्ञान कल्याणक की मांगलिक क्रियाएं संपन्न की। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने आज प्रातःकालीन बेला में मंगलाष्टक, दिग्बंधन, रक्षामंत्र, शांतिमंत्र नित्यमह अभिषेक, शान्तिधारा, पूजन, तपकल्याणक पूजन, शांतिहवन भी सम्पन्न कराया। कार्यक्रम में नवदीक्षित महामुनिराज की आहारचर्या हुई। मध्यान्ह बेला में धर्मावलंबीयो ने मंगलाष्टक, दिग्बंधन, रक्षामंत्र, शांतिमंत्र, भक्तिपाठ,ज्ञान कल्याणक की आंतरिक क्रियाएं, जाप अनुष्ठान , श्री जी की स्थापना, मंत्र आराधना , अधिवासन, तिलक दान, नेत्रोन्मीलन, सूरिमंत्र, प्राणप्रतिष्ठा मंत्र, सूर्यकला चंद्रकला, केवल ज्ञानोत्पत्ति, समवशरण रचना, आयोज्य कार्यक्रम में मुनि श्री द्वारा भगवान की दिव्य ध्वनि देशना पर वाणी के माध्यम से आशीर्वचन देकर ज्ञानकल्याणक पूजन हवन आदि संपन्न कराया। सांयकालीन बेला में संगीतमय महाआरती के लाभार्थी चंद्रा संजय पाटोदी को उनके निवास से गजराज पर समाज जनों द्वारा सम्मान से लाया गया। इस अवसर पर धर्म सभा को संबोधित करते हुए मुनिश्री विमल सागर जी महाराज ने कहा कि विवेक से दान करें, कब कैसा भोजन करना यह ज्ञान होना चाहिए, श्रेष्ठ फल दान का बताया है, मंदिर में ऐसे वस्त्र पहन कर जाना चाहिए जो धरती में धूल से स्पर्श नहीं करें, नवधा भक्ति पूर्वक दिया गया दान सर्वश्रेष्ठ होता है, प्रसन्नता के साथ दान देना चाहिए, षटकाय के जीवों की जो हिंसा होती है, वह पाप दान से धुलता है, आहार दान महान बनाता है ,आहार दान के माध्यम से जीवन दान दिया जाता है ,पहली रोटी गाय की होती है ,सर्वस्व दान बड़ा दान है ,जो है उसी में से दान करके पुण्य का संचय करो, ग्रंथ में आता है हर्ष रूपी आंसुओं से पैर धुलाये, अक्षय तृतीया के दिन आहार की प्राप्ति हुई थी इसीलिए यह तिथि अक्षय हो गई, राजा श्रेयांश जयप्रकाश पटवारी, राजा सोम दीपेश दावड़ा को नवदीक्षित वृषभसागर जी महाराज को आहार दान का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

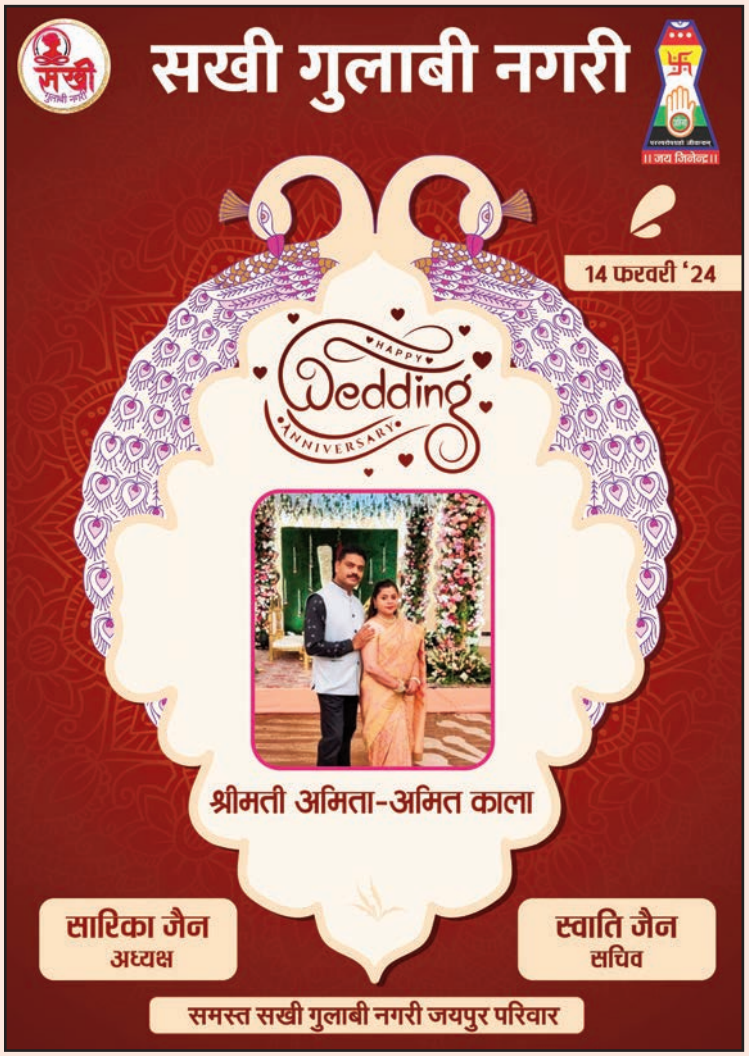

# नवागढ़ गुरुकुलम का हुआ शिलान्यास समारोह

## मनुष्य का स्वभाव शक्कर के समान मीठा होना चाहिए : आचार्य श्री विनम्रसागर

**ललितपुर. शाबाश इंडिया**

प्रागैतिहासिक तीर्थ क्षेत्र नवागढ़ विकासखंड महरौनी में आचार्य श्री विनम्रसागर महाराज ससंघ के सान्निध्य में चल रहे समवसरण महामंडल विधान में प्रतिष्ठा निर्देशक ब्रह्मचारी जय निशांत भैया, ब्रह्मचारी सुरेश मलैया इंदौर, पंडित मनीष जैन टीकमगढ़ के द्वारा समस्त धार्मिक क्रियाएं पूजन संपन्न कराए जा रहे हैं। **नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन हुआ:** प्रातः 10 बजे चिकित्सा शिविर का आयोजन पंडित गुलाबचंद पुष्प के जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर लगाया गया जिसके मुख्य अतिथि यादवेंद्र सिंह बुंदेला विधायक टीकमगढ़ रहे, अध्यक्षता डॉक्टर हीरालाल जैन झांसी ने की। शिविर में नेत्र रोग एवं समस्त रोगों के उपचार किए गए। 18 मरीजों के नेत्रों के ऑपरेशन संपन्न कराए गए। **गुरुकुलम की बिल्डिंग का शिलान्यास:** प्रचारमंत्री डॉ सुनील संचय ने बताया कि दोपहर 2 बजे से ज्ञानस्वस्त्यम नवागढ़ गुरुकुलम के नवीन भवन का शिलान्यास समारोह का आयोजन आचार्य श्री विनम्र सागर जी ससंघ के सान्निध्य में किया गया जिसमें राकेश जैन लोटस दिल्ली, संतोष जैन घड़ी सागर, सुनील जैन एपी बाम बरायठा, शिखरचंद, राजकुमार, जय निशांत प्रदीप कुमार जैन पुष्प परिवार, दामोदर प्रसाद शाहगढ, लालचंद शास्त्री सागर, बाबूलाल मैनवार टीकमगढ़ ने ध्वजारोहण करके शिलान्यास का शुभारंभ किया। **दिग्विजय यात्रा निकाली गई :**12 फरवरी को सुबह शांतिधारा अभिषेक किया गया, दोपहर में विधान एवं दिग्विजय यात्रा निकाली गई । इसके पश्चात आचार्य श्री विनम्र सागर जी महाराज के मंगल प्रवचन हुए जिसमें उन्होंने कहा मनुष्य को स्वभाव सुंदर बनाने का उपाय कहीं है तो उसी के अंदर है। जैसे जमीन पर नींबू रस गिर जाए तो एक भी चींटी नहीं आती लेकिन शक्कर की चासनी गिर जाए तो हजारों चींटी आ जाएंगी। यदि मनुष्य का स्वभाव मीठा होगा तो हजारों लोगों के दिलों पर राज करेगा, हमारा बुरा स्वभाव ही जीवन को अटकाता है। जैसे कि एक आश्रम में एक युवक रहता था उसका सभी मित्रों से रोजाना झगड़ा होता था तो सभी मित्रों ने बोलना बंद कर दिया तो वह गुरु जी के पास पहुंचा और बोला कि मैं अपने स्वभाव से परेशान हूं मेरे साथी मुझे बोलना भी पसंद नहीं करते, तब गुरु जी ने कहा कि स्वभाव को बदलना बहुत आसान है तब गुरु जी ने कहा कि सात दिन में जितने लोगों से बिगड़ी है उन सब से सॉरी बोलना तो युवक ने सभी से जाकर सॉरी बोला तो जो लोग उससे बोलना पसंद नहीं करते थे वह लोग उसके साथ अच्छा व्यवहार करने लगे। इस अवसर पर तीर्थक्षेत्र कमेटी के सनत कुमार जैन एडवोकेट, महामंत्री वीर चंद्र जैन नेकौरा, राकेश जैन, अशोक मैनवार, धीरेंद्र सिंघई, विमल मुनीम साहब, प्रसन्न जैन, आनंदीलाल, पंडित इंद्र कुमार, अशोक बैसा, नरेंद्र मैनवार, सोमचंद्र जैन सहित क्षेत्रीय समाज उपस्थित रही।

# महावीर इंटरनेशनल शाखा नौगामा द्वारा गुलाबपुरा विद्यालय में किए स्वेटर वितरण

**गुलाबपुरा. शाबाश इंडिया**

सब की सेवा सबको प्यार महावीर इंटरनेशनल शाखा द्वारा आज ब्लॉक शिक्षा कार्यालय के अंतर्गत राजकीय प्राथमिक विद्यालय गुलाबपुरा में ब्लॉक शिक्षा अधिकारी गोपाल जोशी, महावीर इंटरनेशनल के संरक्षक डॉक्टर अजीत गांधी, शाखा के अध्यक्ष सुरेश चंद्र गांधी, भाजपा मंडल अध्यक्ष ताजेग पाटीदार, बालावाड़ा हसमुख शर्मा, विद्यालय के प्रधान अध्यापक पवन सोनी, सेवानिवृत्ति प्रधानाचार्य प्रभाशकर निनामा जगजी कटरा, नौगामा के प्रभारी प्रभु लालनट, नाथजी पाटीदार पंचायत समिति सहायक एसएमसी अध्यक्ष एव ग्रामीणों की उपस्थिति में महावीर इंटरनेशनल के द्वारा विद्यालय के सभी छात्रों को निशुल्क स्वेटर

वितरण किए गए। इस अवसर पर सभी अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलित कर भावना दिन रात मेरी सब सुखी संसार हो के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ इस अवसर पर सभी अतिथियों का तिलक लगाकर एवं दुपट्टा उड़कर सम्मान किया, महावीर इंटरनेशनल अध्यक्ष सुरेश चंद्र गांधी ने बताया कि महावीर इंटरनेशनल शाखा की ओर से कई विद्यालय में शाखा की ओर से स्वेटर वितरण किए गए हैं एवं आगामी समय में गर्मियों के दिनों में प्रत्येक गांव में आसमान में उड़ने वाले प्यासे पक्षियों के लिए सकोरे वितरण किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि महावीर इंटरनेशनल के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जैन द्वारा संपूर्ण भारतवर्ष में निर्धन वर्ग की सेवा हेतु निवेदन किया है। महावीर इंटरनेशनल द्वारा रक्तदान वृक्षारोपण बेबी किट सिलाई मशीन वितरण एवं विभिन्न सार्वजनिक स्थान रेलवे स्टेशन बस स्टेशन अस्पताल में अपेक्स की ओर से ट्राई साइकिल वितरण की जा रही है।

## वेद ज्ञान

# सकारात्मक-सोच की तलाश का रास्ता है पूजा-पाठ

धर्म में आस्था रखने वाले अधिकांश लोग मंदिर-मस्जिद-गुरुद्वारा-चर्च हो या घर पूजा-पाठ जरूर करते हैं। लोग पूजा-पाठ जब करते हैं तो वे अपने ईष्ट से सांसारिक मनोकामनाओं की पूर्ति की प्रार्थना करते हैं। बहुत लोग अपने ईष्टदेव से इन आवश्यकताओं के लिए अनुबंध भी करते हैं कि उनकी कामनाएं जैसे ही पूरी होंगी तो वे कुछ भेंट चढ़ाएंगे या दान करेंगे। संयोगवश कार्य पूर्ण होने पर विशेष धार्मिक अनुष्ठान आदि करते दिखाई भी पड़ते हैं। तमाम धर्मगुरु इस तरह का आश्वासन भी देते हैं कि जप-तप से उनकी मनोकामनाएं त्वरित गति से पूरी हो जाएंगी। जबकि यह कोई जरूरी नहीं कि ईष्टदेव की पूजा-पाठ या चढ़ावे से सांसारिक उपलब्धियां मिल जाएंगी। 'पूजा' का अर्थ ही है पवित्रता का जन्म। पूजा यदि मन में पवित्र भावों के जन्म के लिए हो तो उचित है जो आगे चलकर जीवन को पूजनीय बना देती है। हर धर्म में जो ईष्टदेव हैं, उनका जीवन आदर्शमय था, इन्हीं कारणों से उनकी पूजा होती है। इसलिए पूजा-पाठ मन-बुद्धि के बीच सेतु बनाने के लिए करना चाहिए। मन सकारात्मक होकर जब अच्छे कार्यों में लग जाए तब स्वतः जीवन में अनुकूलता मिलने लगती है। इसी सकारात्मक-सोच की तलाश का रास्ता है पूजा-पाठ। सर्वप्रथम पूजा-पाठ से दिनचर्या नियमित होती है, तमाम तरह के निषेधों को अपनाने की प्रेरणा मिलती है, एकाग्रता बढ़ती है, समूह में जीने की आदतें उत्पन्न होती हैं। ये सारे रास्ते इतने महत्वपूर्ण हैं कि इनसे जो परिचित हो गया, वह जो भी काम करेगा, सफल होगा। प्रायः लोग किसी व्यक्ति का उदाहरण देते हैं कि वह मिट्टी भी छूता है तो सोना (स्वर्ण) बन जाता है। इसी के साथ पूजा-पाठ में प्रयुक्त होने वाले पदार्थ शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद होते हैं। सभी धर्मावलंबी पूजा-कार्य में पुष्प-चंदन आदि विविध पदार्थ अपने ईष्टदेव को चढ़ाते हैं। ये सारे पदार्थ ईष्ट को मिले कि नहीं, इसकी कोई गारंटी नहीं।

## संपादकीय

# बिहार की सियासत में सिद्धांत और नैतिकता की अहमियत

बिहार में सत्ता का संग्राम अब फिर अपने एक नए मुकाम पर पहुंच गया है। विधानसभा में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले राजग ने विश्वास मत हासिल कर लिया। एक सौ उनतीस विधायकों ने उसके पक्ष में मत दिया, जबकि विपक्ष ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। इस तरह नीतीश कुमार अब फिर से भाजपा और अन्य कुछ दलों के सहयोग से नई सरकार चलाएंगे। मगर इस बीच पिछले कुछ दिनों में सत्ता को लेकर जिस तरह की उठापठक,

खींचतान और उथल-पुथल हुई, उससे यही जाहिर हुआ कि राजनीति में अब सिद्धांत और नैतिकता की अहमियत लगभग नहीं रह गई है। गौरतलब है कि पिछले महीने तक नीतीश कुमार राष्ट्रीय जनता दल के साथ बने गठबंधन की सरकार चला रहे थे, मगर अचानक उन्हें लगा कि पुराने सहयोगी भारतीय जनता पार्टी के साथ जाना ज्यादा बेहतर है। अब विधायकों की संख्या के समीकरण के मुताबिक भाजपा और राजग में शामिल अन्य दलों के सहयोग से उन्हें विधानसभा में नई सरकार चलाने के लिए पर्याप्त बहुमत मिल गया है। वहीं टक्कर देने की गुंजाइश के बावजूद राजद और उसके सहयोगी दलों ने विश्वासमत में हिस्सा न लेना ही बेहतर समझा। हालांकि राजद नेता तेजस्वी यादव को अंदाजा हो गया था कि उनके पास सरकार पलटने के लिए पर्याप्त समर्थन नहीं है। अब वे नीतीश

कुमार के बार-बार पाला बदलने और सैद्धांतिक अस्थिरता को मुद्दा बना रहे हैं, तो नीतीश विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के रुख का हवाला दे रहे हैं। सवाल है कि राजनीति की बिसात पर सत्ता के दांवपेच में उलझे नेताओं और दलों की बदलती निष्ठा के बीच वह आम जनता क्या करे, जो किसी विचारधारा, सिद्धांत, मुद्दे और नेतृत्व के प्रभाव में अपना समर्थन जाहिर करती है। पाला बदलने के लिए सभी दलों के अपने-अपने तर्क होते हैं और सभी को यही लगता है कि ईमानदारी की कसौटी पर सबसे खरे वही हैं। विडंबना है कि पार्टियां सत्ता पर काबिज होने या उसका हिस्सेदार बनने के लिए सिद्धांत और नैतिकता की व्याख्या अपनी सुविधा के मुताबिक करके उसे सही घोषित कर देती हैं, मगर आम जनता के बीच न केवल इसे लेकर भ्रम और दिशाहीनता की स्थिति पैदा होती, बल्कि कई बार वह खुद को लाचार और ठगा हुआ महसूस करती है। **-राकेश जैन गोदिका**

## परिदृश्य

# कूटनीतिक कामयाबी

कतर में मौत की सजा पाए भारतीय मूल के आठ पूर्व नौसेना अधिकारियों की रिहाई निस्संदेह भारत की बड़ी कूटनीतिक कामयाबी है। करीब डेढ़ वर्ष पहले इन अधिकारियों को इजराइल के लिए पनडुब्बी तकनीक की जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। इसकी सूचना न तो भारतीय दूतावास, और न उनके परिजनों को दी गई थी। दूसरे स्रोतों से जब उनके परिजनों को इसकी जानकारी मिली तो उन्होंने भारत सरकार से गुहार लगाई। मामला प्रकाश में आने के बाद भारत सरकार का विदेश मंत्रालय सक्रिय हुआ और इस संबंध में मध्यस्थता और बातचीत का सिलसिला शुरू हुआ था, प्रधानमंत्री ने भी वहां के शासक से इस संबंध में बात की थी। इसका असर यह हुआ कि करीब दो महीना पहले कतर में भारत के राजदूत को इन गिरफ्तार भारतीय नागरिकों से मिलने की इजाजत दी गई और फिर उनकी फांसी की सजा को कैद में बदल दिया गया। अब कतर सरकार ने उन्हें रिहा कर दिया है, मगर अभी तक मामले की ठीक-ठीक जानकारी सार्वजनिक नहीं की है। गौरतलब है कि ये भारतीय नागरिक नौसेना में अपनी सेवाएं दे चुके थे और उनमें से कई वरिष्ठ पदों पर रहे थे। अवकाश प्राप्त करने के बाद कतर की एक निजी नौसेना कंपनी के लिए सेवाएं दे रहे थे। सैन्य परियोजनाओं में दुश्मन देशों के लिए जासूसी के मामले कोई नई बात नहीं हैं। इसके लिए सरकारें अपना पुख्ता निगरानी तंत्र रखती हैं। कतर जैसे देशों में ऐसे अपराधों के लिए मौत की सजा का प्रावधान है, इसलिए जब भारतीय नागरिकों पर जासूसी का आरोप लगा, तो वहां की अदालत ने कड़ी सजा सुनाई थी। हालांकि यह मामला इसलिए सबको हैरान करने वाला था कि जिन अधिकारियों को फांसी की सजा सुनाई गई, वे भारतीय नौसेना के जिम्मेदार पदों का निर्वाह कर चुके थे और सैन्य परियोजनाओं की जासूसी के अंजाम से अच्छी तरह वाकिफ थे। उनसे ऐसी असावधानी या किसी लोभ में काम करने की उम्मीद नहीं की जा सकती थी। भारत सरकार का विदेश मंत्रालय अभी पूरे मामले की तह में जाने का प्रयास कर रहा है, पर प्रथम दृष्टया यही लगता है कि जरूर कतर सरकार के निगरानी तंत्र से जासूसी प्रकरण में तथ्य जुटाने को लेकर कोई चूक हुई थी। कई बार मुख्य साजिशकर्ता कोई और होता है और शक के आधार पर उसमें दूसरे लोग भी फंस जाते हैं। कतर के साथ भारत के संबंध बहुत मधुर हैं। पिछले हफ्ते ही उसके साथ भारत ने बीस वर्षों के लिए प्राकृतिक गैस आपूर्ति का बड़ा करार किया है। कई लोग पूर्व नौसैनिकों की रिहाई को इससे भी जोड़ कर देख रहे हैं, मगर कोई भी सरकार व्यापार के लिए अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा से ऐसा समझौता नहीं कर सकती। सच्चाई तो यही है कि कतर सरकार ने इन पूर्व नौसैनिकों को गिरफ्तार करने और सजा सुनाने में कुछ जल्दबाजी दिखाई। उसने नियमों के मुताबिक भारत को इस मामले से अवगत नहीं कराया, न आरोपी पक्ष को अपनी सफाई का मौका दिया। दूसरे सूत्रों के मिली जानकारी के आधार पर भारत सरकार ने अपने नागरिकों की रिहाई की कोशिश शुरू की थी। अगर अंतरराष्ट्रीय अदालत में इसे चुनौती दी जाती, तो कतर का पक्ष कमजोर साबित होता। फिर, अगर सचमुच भारतीय नागरिकों की जासूसी में संलिप्तता रही होती और उसके पुख्ता प्रमाण कतर सरकार के पास होते, तो वह उसे छिपाने का प्रयास नहीं करती।

# शालीमार एन्क्लेव जैन मंदिर में हुआ ज्ञान निकुंज संत लोकार्पण समारोह का आयोजन

**आगरा. शाबाश इंडिया**

षष्ठम पट्टाचार्य आचार्य श्री ज्ञेयसागर जी महाराज एवं मुनिश्री ज्ञातसागर जी महाराज मुनि श्री नियोग सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य एवं श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर शालीमार ट्रस्ट के तत्वावधान में ज्ञान निकुंज संत लोकार्पण समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भक्तों ने आचार्यश्री के उच्चारित मंत्रो के साथ प्रभु का अभिषेक एवं वृहद शांतिधारा के साथ किया। भक्तों ने विधानाचार्य जी के कुशल निर्देशन में मंत्रोच्चारण के साथ श्रीजी के समक्ष मण्डल पर अर्घ्य अर्पित कर संगीतमय पूजन किया। पूजन में मौजूद सभी भक्तों ने संगीतकार के मधुर भजनों पर नृत्य किया। कार्यक्रम के मध्य में भक्तों को आचार्य श्री ज्ञेयसागर जी महाराज की मंगल वाणी श्रवण करने का अवसर प्राप्त हुआ। इसके बाद सौभाग्यशाली परिवारों ने आचार्य संघ के कुशल निर्देशन में ज्ञान निकुंज संत भवन का फीता खोलकर लोकार्पण किया। इस अवसर पर एसबी जैन,एवी जैन,राजू गोधा, संजू गोधा,रूपेश जैन,पवन जैन,सुबोध जैन अंकेश जैन,अजित जैन,केके जैन, आर्जव जैन, मीडिया प्रभारी शुभम जैन उषा पाटनी, प्रीति जैन बीना जैन,विनीता जैन, समस्त शालीमार एन्क्लेव कमला नगर जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

**रिपोर्टः शुभम जैन**

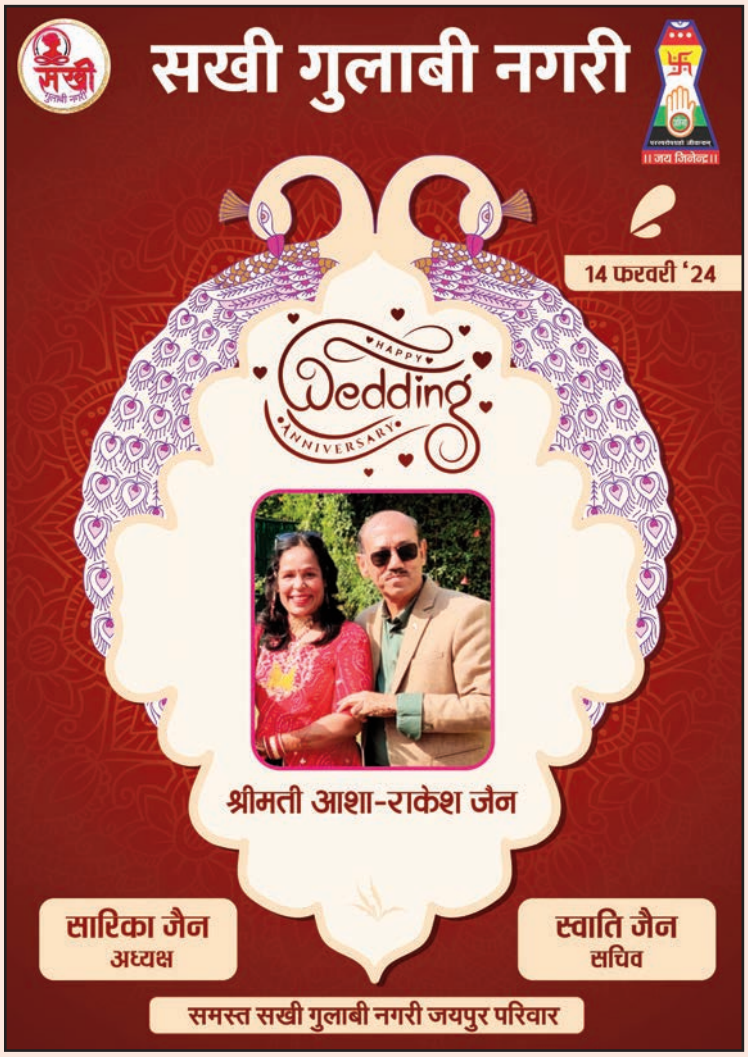

# विंग कमांडर वर्धमान अभिनन्दन का थूवोनजी कमेटी ने किया सम्मान

**दया धर्म अंतर आत्मा से निकलने पर सहस्त्र गुना फल देता हैं : आचार्य श्री, कल होगा चौंसठ रिद्धि महा मंडल विधान : विजय धुर्रा**

**अशोक नगर. शाबाश इंडिया**

मध्य भारत के सबसे बड़े तीर्थ अतिशय क्षेत्र दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी में वालाकोट एयर स्ट्राइक में एफ सोलह फाइटर जेट उड़ाने वाले जैन समाज के गौरव विंग कमांडर अभिनन्दन जैन के माता-पिता श्रीमती शोभा शिभाकुट्टी वर्धमान का दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी कमेटी ने साल श्री फल स्मृति चिन्ह पीत वस्त्र भेंट कर अभिनंदन किया।

## राष्ट्रसेवा में समर्पित परिजनों के सम्मान से कमेटी अभिभूत हैं: विजय धुर्रा

इस दौरान मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि देश सेवा में अपनी जान लगाने पर आमद अभिनन्दन वर्धमान के साहस से ना केवल जैन समाज गौरवान्वित हुआ वल्कि देश के हन नागरिक को उनकी शोर्य वीरता पर फक्र हुआ। आज हमारे बीच लेफ्टिनेंट कर्नल शिभा कुट्टी वर्धमान पधारे हैं हम उनसे आग्रह करते हैं कि अगली बार आप जव भी आयें तो अभिनन्दन भी साथ हो तो अंचल की जैन समाज को हार्दिक प्रसन्नता होगी। कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टींगू मिल महामंत्री विपिन सिंघई और पूरे अंचल की ओर से आपका अभिनन्दन करता हूं आगे भी आप समाज और देश का गौरव इसी तरह बढ़ाते रहे।

## हमें राष्ट्र सेवा में सबसे आगे रहना चाहिए: कर्नल वर्धमान

इस दौरान सेवा निवृत्त लेफ्टिनेंट कर्नल शिभा कुट्टी वर्धमान ने कहा कि हम गौरवान्वित है हमें भगवान महावीर स्वामी की अहिंसा सन्तान होने पर भी देश सेवा में आगे रहने का सौभाग्य प्राप्त हुआ निश्चित रूप से भारत माता की सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है सबसे पहले राष्ट्र होता है उसके बाद समाज और परिवार आता है हम खुश किस्मत है कि हमें भारत माता की सेवा करने का सौभाग्य मिला रहा है हमें राष्ट्र सेवा में सबसे आगे रहना चाहिए और मौका मिले तो सीमा पर पहुंच कर देश की रक्षा में सबसे आगे रहना चाहिए अतिशय क्षेत्र दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी के दर्शन कर हृदय गदगद हो रहा है और फिर आचार्य श्रीआर्जवसागर जी महाराज के दर्शन कर वर्षो पुरानी यादें ताजा हो गई ।

## सिद्धचक्र महा मंडल में किये सोलह अर्घो का समर्पण

इसके पहले आज प्रातः काल की वेला में आचार्य श्री आर्जवसागर जीमहाराज ससंघ केसान्निध्य में प्रतिष्ठा चार्य अंकित भ इया के मंत्रोच्चार के वीच सिद्धो की महा आराधना दूसरे दिन प्रारंभ हुई जिसमें जगत कल्याण की कामना के लिए महा शान्ति धारा सौधर्म इन्द्र वनकर डॉ निर्मल कुमार कदवाय इसान इन्द्र विधान पुण्यर्जक परिवार रमेश चंद्र नीरज कुमार आशीष कुमार ईसागढ़ वाले सनत इन्द्र महेन्द्र कुमार जैन महेन्द्र इन्द्र राहुल जैन सहित अन्य भक्तों ने प्रभु के कलशाविषेक का सौभाग्य प्राप्त किया इसके बाद भगवान की महा आराधना करने हेतु मंडल पर सोलह अर्घो का समर्पण रमेश चंद्र नीरज कुमार आशीष कुमार डॉ निर्मल कुमार रिषभ जैन अभिनन्दन जैन संजय गीत गंगा मनोज टडैया रोहित सिघई मनीष जैन सहित अन्य भक्तों ने समर्पित किया।

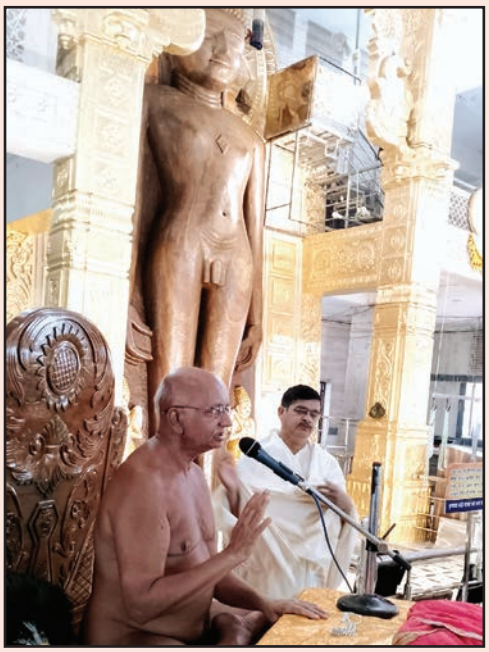

## धर्म को पाने के लिए सप्त व्यसनों से दूर होना होगा : आचार्य श्री

इस दौरान धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए आचार्य श्री आर्जवसागरजी महाराज ने कहा कि दया धर्म अंतर आत्मा से निकलने पर सहस्त्र गुना फल देता है दया से धर्म का प्रारंभ होता है इसलिए दया को धर्म का मूल कहा गया धर्म कोई बाजार में मिलने वाली वस्तु नहीं है जो आपको कहीं से भी पैसे देकर मिल जायेगी धर्म हमारे अन्दर से ही प्रकट होता है कभी कभी आप लोग भी कहने लगते हैं कि आज कुछ अच्छा होने वाला है ऐसी मेरी अंदर से आवाज आ रही है और देखा गया है कि वह होता भी है तो धर्म हमारे अन्दर कई ही तो अभिव्यक्ति है इसको पाने के लिए लक्ष्य वनना पड़ेगा धर्म के पालन के अहिंसा का जीवन में होना अनिवार्य है जैसे आप जव परिक्षा देने जाते हैं तो आपको पहले नम्बर पर अनिवार्य प्रश्न मिलता है और उसे हल करना ही पड़ता है ऐसे ही सप्त व्यसन का त्याग किये वना दया धर्म का पालन नहीं हो सकता सबसे पहले धर्म के मार्ग को पाने के लिए सप्त व्यसनों को जीवन से दूर करना होगा।

# आत्मा को हमेशा सुंदर ज्ञान रूपी जल से स्नान करना चाहिएः मुनि शुभम सागर महाराज

**प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया**

भीलवाड़ा। बापू नगर स्थित श्री पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर में मुनिश्री शुभम सागर महाराज एवं सक्षम सागर महाराज का सायकल को मंगल प्रवेश हुआ। मंत्री पूनम चंद सेठी ने बताया कि प्रातः तेरह पंत भवन पुर में मुनीससंघ का आहारचर्या के उपरांत दोपहर

2:00 बजे विहार कर वासु पूज्य दिगंबर जैन मंदिर बिलिया में पहुंचकर श्रीजी के दर्शन कर बापू नगर स्थित दिगंबर जैन मंदिर ससंघ पहुंचा। जहां महिलाएं सिर पर मगल कलश लिएअगवानी की। मुख्य प्रवेश द्वार पर श्रावकों द्वारा मुनीश्री का पादपक्षालन किया गया। इस उपरांत मुनि शुभम सागर महाराज ने आशीर्वाद वचन में कहा कि आत्मा को हमेशा सुंदर ज्ञान रूपी जल से स्नान कराना चाहिए, जिससे आत्म भव-भव के लिए निर्मल हो जाए । मुनिश्री ने कहा की वाणी सत्य से शुद्ध रहती है, मन ज्ञान से शुद्ध रहता है, और शरीर गुरु की सेवा से पवित्र होता है। इस अवसर पर सक्षम सागर महाराज ने कहा कि अच्छे संस्कारों द्वारा जीवन का उन्नत करना चाहिए। इस अवसर पर कई श्रावक- श्राविकाएं उपस्थित थी।

# घर-घर प्रभु भक्ति आराधना का हुआ भव्य शुभारंभ

**जयपुर. कासं।** जगतपुरा मेन मार्केट स्थित प्राचीन अतिशकारी श्री शांतिनाथ दि जैन मंदिर की प्रबन्धकारणी सेवा समिति के नेतृत्व में घर घर श्री णमोकार महामंत्र जाप, श्री भक्तामर स्तोत्र पाठ एवं प्रभु भक्ति आराधना कार्यक्रम का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम संयोजक विनोद पापडीवाल ने अवगत कराया हर घर में हो धर्म प्रभावना की मंगल भावना के साथ 11 फरवरी रविवार सायं 7 से 8 धार्मिक आयोजन का शुभारंभ भगवान महावीर स्वामी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर जगतपुरा माडल टाउन निवासी कमल राजेश वैद के यहां किया गया। इसके पश्चात णमोकार महामंत्र एवं भक्तामर स्तोत्र की महिमा का गुणगान के बाद उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने भक्ति आराधना के साथ भजनों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर प्रभु भक्ति आराधना कार्यकम का पुण्य प्राप्त किया ।महिला मण्डल अध्यक्ष सुमित्रा ने बताया जगतपुरा जैन समाज के सभी परिवारों की सहमति के पश्चात हर माह यह आयोजन रखा जा रहा है आपसी मेल मिलाप एवं आज की युवा पीढ़ी के हृदय में जैन धर्म प्रभावना की भावना होती रहे ओर आज के युवक युवतियों में धार्मिक संस्कारो का ज्ञान प्राप्त होता रहे एवं धार्मिक संस्कारों की सीख से गलत रास्तों पर जाने से बचें रहेंगे। इस पुनीत अवसर पर प्रमुख समाजसेवीका डा उषा सेठी, परम संरक्षक घनश्याम जैन, समिति महामंत्री प्रमोद कुमार जैन, संयुक्त मंत्री राकेश पाटनी, मुकेश जैन आवा, निर्मल गोधा, महिला मण्डल प्रमुख रेखा पाटनी, रेणु जैन ,प्रीति गोधा, शुभ जैन ,शाकुन्तला वैद एव अनेक समाज बंधु उपस्थित रहे।

# महानगर ग्रुप के अवेंजर्स व रेंजर की मीटिंग का आयोजन

## सिल्वर जुबली कार्यक्रम के आयोजन पर हुई चर्चा

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** महानगर ग्रुप के महानगर अवेंजर्स और महानगर रेंजर की एक मीटिंग का आयोजन किया गया। यह जानकारी देते हुए ग्रुप अध्यक्ष संजय जैन ने बताया कि महानगर ग्रुप अपनी स्थापना के 25वें वर्ष में प्रवेश करने वाला है। यह वर्ष महानगर के लिए बहुत ही विशेष रहेगा। आगे आने वाले कार्यक्रम में सभी सदस्यों की सहभागिता को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ग्रुप के सभी सदस्यों के साथ पृथक पृथक मीटिंग्स कर उनके सुझाव आमंत्रित किया जा रहे हैं। इसमें सभी पूर्व अध्यक्षों द्वारा सदस्यों के साथ संवाद किया गया। इससे ग्रुप के कार्यक्रम को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष प्रदीप जैन, रवि प्रकाश जैन, चंद्रशेखर जैन, दीपेश जैन और डॉ राजीव जैन मौजूद रहे। ग्रुप कैप्टन स्वाति जैन और विनीत जैन ने कार्यक्रम का संचालन किया। क्लब सचिव सुनील गंगवाल ने बताया कि शीघ्र ही अगले दो ग्रुप्स की मीटिंग आयोजित की जाएगी।

# जैन कमल को 'मरुधरा रत्न पुरस्कार'

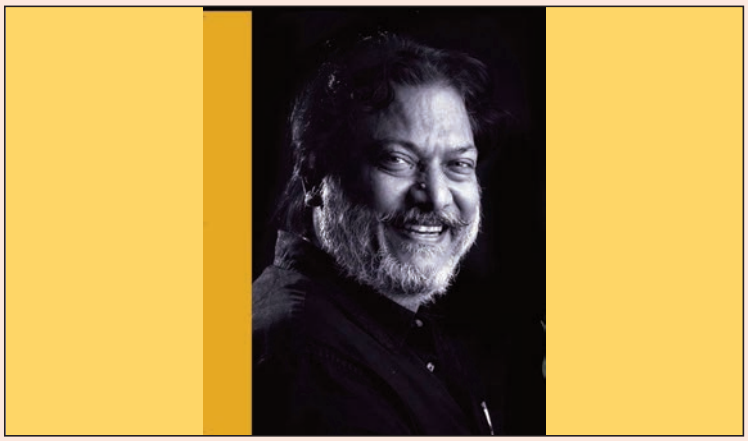

**औरंगाबाद. शाबाश इंडिया।** साहित्य, कला और संस्कृति के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए दिया जानेवाला 'मरुधरा रत्न पुरस्कार' इस बार चित्रकार जैन कमल को प्रदान किया जाएगा। 16 मार्च को प्रेस क्लब में आयोजित एक समारोह में प्रख्यात सरोद वादक ब्रजनारायण उन्हें स्मृति चिह्न और 51 हजार की धनराशि भेंट करेंगे। समारोह की अध्यक्षता करेंगे विश्वनाथ सचदेव और चरण शर्मा प्रमुख वक्ता होंगे। यह जानकारी सुनील गाडिया ने दी। संस्था के अध्यक्ष सुरेंद्र गाडिया ने कहा कि जैन कमल अक्षरों के कलात्मक संयोजन से नायाब पेंटिंग बनाते हैं। **नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद**


## श्री पवन-श्रीमती रीना जैन

**सदस्य दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप सन्मति**

14 फरवरी' 24

की वैवाहिक वर्षगांठ पर

**हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं**

शुभेच्छु

**अध्यक्ष:** मनीष - शोभना लोंग्या

**संस्थापक अध्यक्ष:** राकेश - समता गोदिका

**सचिव:** राजेश - रानी पाटनी

**कोषाध्यक्ष:** दिलीप - प्रमिला जैन

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

पंचकल्याणक महोत्सव के अंतर्गत तीसरा दिवस

# तप कल्याणक की क्रियाएं देख कर श्रद्धालुओ की आंखों से बही अविरल धारा

## तप से जीवन में सुगंधि ओर तप के बल से ही मनुष्य का जीवन शोभायमान : मुनि श्री विमल सागर

**मनोज सोनी. शाबाश इंडिया**

निंबाहेड़ा। नगर में चल रहे पंच कल्याणक महा महोत्सव के आज तीसरे दिवस दिगंबर समाज जनों ने भक्तिभाव से भगवान के तप कल्याणक कार्यक्रम को संपन्न किए। आदिनाथ मांगलिक भवन में सर्वश्रेष्ठ साधक आचार्य श्री विद्यासागर जी महामुनिराज के शिष्य मुनिश्री प्रमाण सागर जी महाराज के मार्ग दर्शन में मुनिश्री विमलसागर जी , मुनिश्री अनंतसागर जी , मुनिश्री धर्मसागर जी एवं मुनिश्री भावसागर जी के सानिध्य में एवं ब्रह्मचारी प्रदीप भैयाजी 'सुयश' अशोक नगर के निर्देशन में 14 फरवरी तक चलने वाले आनंद प्रदायक पंच कल्याणक महामहोत्सव के अंतर्गत आज 12 फरवरी सोमवार को प्रातः काल की वेला मे श्रद्धालु जनो ने मंगलाष्टक, दिग्बंधन, रक्षामंत्र, शांतिमंत्र नित्यमह अभिषेक, शान्तिधारा, पूजन , जन्म कल्याणक पूजन एवं हवन, पूजन कर आचार्य श्री विद्यासागर जी का अर्घ्य विसर्जित किया दोपहर को आयोजित धर्मसभा में मंगलाष्टक, दिग्बंधन, रक्षामंत्र, शांतिमंत्र, भक्तिपाठ, महाराजा नाभिराय का राजदरबार, युवराज आदिकुमार का विवाह, युवराज आदिकुमार का राज्याभिषेक, 32000 मुकुटबद्ध राजाओं द्वारा भेंट समर्पण, राज्य संचालन, षट्कर्म उपदेश 72 कलाओं को सिखाना, दण्ड व्यवस्था, दण्डनायक की स्थापना, ब्राह्मी सुन्दरी शिक्षा सांसारिक व्यवस्था, नीलांजना नृत्य की प्रस्तुति श्रुति सोनी एवम शीतल जैन द्वारा की गई, जिसे मुनि वृंदो द्वारा आशीर्वाद देकर सराहा गया। कार्यक्रम में लौकांतिक देवों का आगमन वैराग्य की अनुशंसा, भरत- बाहुबली को राज्य सौंपना सुदर्शन दीक्षा वन की और प्रस्थान, दीक्षा विधि, अंकन्यास, संस्कारोपण पूजनकर संगीतमय महाआरती, शास्त्र प्रवचन हुए। इस अवसर पर धर्म सभा को संबोधित करते हुए मुनि श्री विमल सागर जी ने कहा कि अच्छी-अच्छी द्रव्य से पूजन करना चाहिए, उत्तम द्रव्य चढ़ाने से स्वर्ग में स्वर्ण के महल मिलते हैं, महोत्सव में समाज के द्वारा द्रव्य लाना चाहिए ,इससे नगर में हर ओर से वृद्धि होती है, जो श्रद्धालु लोग महोत्सव में द्रव्य लाते हैं ,अनंत गुना फल मिलता है। पूजन में कंजूसी नहीं करें ,जो दिन में तीन बार भक्ति, पूजा ,आराधना करता है उच्च पदों को प्राप्त होता है। मुनि श्री अनंतसागर जी महाराज ने कहा कि नरको के भयानक दुख होते हैं ,धार्मिक कार्यों में मन स्थिर नहीं रह पाता है, लेकिन लौकिक कार्यों में मन अच्छा लगता है , तप के द्वारा ही व्यक्ति के जीवन में शोभा आती है, क्षमताओं के अनुसार तप करें। समाज के प्रवक्ता मनोज सोनी ने बताया कि मंगलवार को ज्ञान कल्याणक कार्यक्रम के अंतर्गत प्रातः 6 बजे से मंगलाष्टक, दिग्बंधन, रक्षामंत्र, शांतिमंत्र नित्यमह अभिषेक, शान्तिधारा, पूजन, तपकल्याणक पूजन, शांतिहवन, आचार्य श्री जी की पूजन के साथ प्रातः 8:45 बजे मुनि श्री के प्रवचन तथा 9:30 बजे नवदीक्षित महामुनिराज की आहारचर्या (पंचाश्चर्य) दोपहर को मंगलाष्टक, दिग्बंधन, रक्षामंत्र, शांतिमंत्र, भक्तिपाठ, ज्ञान कल्याणक की आंतरिक क्रियाएं, जाप अनुष्ठान , श्री जी की स्थापना, मंत्र आराधना , अधिवासन, तिलक दान, नेत्रोन्मीलन, सूरिमंत्र, प्राणप्रतिष्ठा मंत्र, सूर्यकला चंद्रकला, केवल ज्ञानोत्पत्ति, समवशरण रचना, मुनि श्री द्वारा दिव्य देशना, ज्ञानकल्याणक पूजन हवन आदि के साथ सांयकालीन बेला 6:30 बजे से संगीतमय विशेष महाआरती , शास्त्र प्रवचन, 7:30 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम सत्येंद्र शर्मा एंड पार्टी दिल्ली द्वारा संपन्न कराए जाएंगे।

# भारत गौरव गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी व भरतेश्वरी माताजी का हुआ महामिलन

## आर्यिका श्री भरतेश्वरी माताजी संघ का विज्ञा तीर्थ पर हुआ मंगल प्रवेश

**गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया**

श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी में गणिनी आर्यिका भरतेश्वरी माताजी संघ का मंगल प्रवेश हुआ। मंगल प्रवेश में अनेक महिलाएं और पुरुष मौजूद रहे। जैन धर्म प्रचारक विमल जौंला एवं राकेश संधी ने बताया कि सहस्त्र कूट विज्ञा तीर्थ कमेटी के तत्वावधान में आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के आशीर्वाद से सोमवार को श्रद्धालुओं ने कोथून बोर्डर पर आर्यिका भरतेश्वरी माताजी को श्री फल भेंट किया। जहां समाजसेवी महावीर प्रसाद छाबड़ा विमल पाटनी जौंला शकुंतला छाबड़ा प्रतीक सेठी दिनेश जैन ने माताजी के समक्ष श्री फल भेंट कर आशीर्वाद लिया एवं विज्ञा तीर्थ पर आने के लिए निवेदन किया। विमल जौंला एवं राकेश संधी ने बताया कि आर्यिका भरतेश्वरी माताजी संघ सहित सोमवार को कोथून से मंगल विहार कर गुन्सी स्थित विज्ञा तीर्थ पहुंचे जहां

श्रद्धालुओं ने आर्यिका माताजी की अगुवानी की। आर्यिका भरतेश्वरी माताजी का विज्ञा तीर्थ पर विराजमान भारत गौरव गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी सहित दोनों माताजी संघ का वात्सल्य मधुर मिलन हुआ जिसमें कई श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस दौरान विज्ञाश्री माताजी ने प्रवचन सभा में उपस्थित श्रावकों को संबोधन देते हुए कहा कि-आप अपना भविष्य तो नहीं बदल सकते लेकिन आप अपनी आदतें तो बदल सकते हैं क्योंकि बदली हुई आदतें ही आपका भविष्य बदलेगी। पूज्य गुरु माँ गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी एवं गणिनी आर्यिका भरतेश्वरी माताजी का सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुंसी में महामिलन हुआ ।

## आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

# एन एस पी एल क्रॉस लैंड क्रिकेट कप प्रतियोगिता में डी सी रॉयल टीम बनी विजेता

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

निर्माण नगर में स्पोर्ट्स क्लब जयपुर टर्फ में नेमी सागर प्रीमियर क्रॉस लैंड कप क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन समाज समिति के अध्यक्ष जे के जैन कालाडेरा ने बताया कि क्रॉस लैंड कंपनी दी। उक्त लीग प्रतियोगिता में 11 से 60 आयु वर्ग की महिला एवं पुरुषों की छः टीमें जिसमें गोधा टाइटंस, डी सी रॉयल्स, पाटनी पैंथर्स, जे के किंग्स आदिनाथ वॉरियर्स एवं बिलाला ब्लास्टर्स ने क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लिया। इस अवसर पर आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का चयन

एवं नेमी सागर कालोनी दिगम्बर जैन समाज के संयुक्त तत्वावधान में क्रिकेट लीग प्रतियोगिता का आयोजन मुख्य अतिथि महापौर सौम्या गुर्जर, समाजसेवी कैलाशचंद जैन, संजीव जैन एवं हितेश जैन ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम की शुरूआत में भगवान महावीर का मंगलाचरण हुआ जिसमें सुनिता एवं गरिमा पहाड़ियां ने प्रस्तुत ऑक्शन सेरेमनी के द्वारा पहले ही कर लिया गया था। टूर्नामेंट में पहले खेलते हुए गोधा टाइटंस ने 8 ओवर में 3 विकेट पर 73 रन बनाए, इसके जवाब में डी सी रॉयल ने 4 विकेट पर 7.3 ओवर में 74 रन बना कर विजय हासिल की। इस अवसर पर टूर्नामेंट में विजेता टीमों को क्रॉस लेण्ड कम्पनी के अनिल बबीता जैन ने खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किया। इस मौके पर मैन ऑफ द मैच निश्चल जैन, मैन ऑफ द सीरीज निश्चल जैन, वीमेन ऑफ द सीरीज लवान्या जैन, बेस्ट बॉलर लवान्या जैन, बेस्ट बैट्समैन विपिन गोधा, बेस्ट फील्डर निश्चल जैन को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर पूनम ठोलिया, प्रदीप निगोतीया, डीसी जैन, अशोक झांझरी सहित समाज के अनेक लोग मौजूद रहे।

# वेलेंटाइन डे! युवा पीढ़ी वास्तविकता को समझें

**विजय कुमार जैन राघौगढ़ म.प्र.**

हम भारत की प्राचीन संस्कृति एवं संस्कारों को अंग्रेजों की दूषित संस्कृति एवं संस्कारों के प्रभाव से भूल गये है। अंग्रेजों ने भारत को गुलाम बना कर एक के बाद एक संस्कारों पर कुठाराघात किया। उन्होंने लम्बे समय तक भारत को गुलाम बनाये रखने एवं वेरोकटोक राज करने की योजना देश के युवकों को पथभ्रष्ट करने की बनायी। भारत में गुरुकुल शिक्षा पद्धति को समाप्त करने कांवेन्ट शिक्षा का जाल फैलाया।भारत में सहशिक्षा प्रारंभ करने अंग्रेजों ने सबसे पहले मुंबई, कलकत्ता और मद्रास में विश्व विद्यालय खोले। शिक्षा पद्धति में परिवर्तन कर अंग्रेजों ने युवापीढ़ी को संस्कार हीन बनाने की शुरूआत की।आज की युवा पीढ़ी में अनेक विकृतियां आ गई हैं, उनमें ही एक कुप्रथा वेलेंटाइन डे या प्रेम प्रसंग दिवस है।पाश्चात्य संस्कृति का अंधानुकरण कर भारत में भी 14 फरवरी को हर वर्ष अविवाहित युवक-युवती वेलेंटाइन डे जोर शोर से मनाते हैं। इस दिवस को हिन्दी में प्रेम प्रसंग दिवस कहते हैं। प्रेम, प्यार, स्नेह, ममता गले मिले बिना जीवन अधूरा है।प्यार का मतलब वासना समझना और पूर्ति के लिये निःस्वार्थ प्रेम को तिलांजलि देना जीवन को धूल बनाना है। पाश्चात्य संस्कृति और भारतीय संस्कृति में मूल अंतर है। पाश्चात्य संस्कृति जीवन का उद्देश्य मात्र भौतिक सुख को पाना मानती है। जब तक स्त्री सांसारिक सुख दे तब तक साथ रखो, फिर बदल दो। जबकि भारतीय संस्कृति मानव जीवन का उद्देश्य चार पुरुषार्थ को पूर्ण करना मानती है। ये चार पुरुषार्थ धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष बताये हैं। दिगम्बर जैन आचार्य संत शिरोमणि विद्या सागर जी महाराज एवं उनके परम प्रिय शिष्य मुनि पुंगव सुधा सागर जी महाराज के आशीर्वाद से ऐलक धैर्य सागर जी के संयोजन में ''लव केमिस्ट्री'' पुस्तक का प्रकाशन हुआ है। पुस्तक में विस्तार से उल्लेख किया है वेलेंटाइन डे या प्रेम प्रसंग दिवस की पाश्चात्य संगीत परंपरा कैसे प्रारंभ हुई। आज से लगभग 1600 वर्ष पूर्व रोम में वेलेंटाइन नाम के संत हुए जिन्होंने स्त्रियों के दुखी होकर उन्हें पुरुष की दासता से बचाने, प्यार को वासना की गुलामियों से मुक्ति का अभियान चलाया, उन्होंने भारतीय साहित्य पढ़कर भारतीय संस्कृति के संस्कारों का प्रचार शुरू किया। भारतीय जीवन शैली की महत्ता को स्थापित करते हुए प्यार को अमर बनाने बाली विवाह पद्धति के अनुसार हजारों युवक-युवतियों को जो आपस में प्यार करने के नाम पर शारीरक वासना में लिप्त थे, उन्हें जीवन भर साथ रहने का संकल्प कराया। उनका विवाह करवाया।

इस तरह उनके नैतिक आचार विचार से प्यार या लव वासना के दल दल अथवा कीचड़ में गिरकर गंदा होने से बच गया था। और जीवन सच्चे प्यार सुखी दाम्पत्य जीवन की सुगंध से महक उठा। रोम के क्रूर अत्याचारी राजा फ्लोडियस को महान संत वेलेंटाइन का यह समाज सुधारक पवित्र कार्य अच्छा नहीं लगा राजा ने वेलेंटाइन को 14 फरवरी सन 498 को फांसी पर चढ़ा दिया। उन हजारों लोगों, वैवाहिक जोड़ों जिनके जीवन में संत वेलेंटाइन की प्रेरणा और सद्प्रयास से समय से दाम्पत्य जीवन में खुशी आई थी,उन्होंने ने अपने अमर प्रेम की सौगात मानकर 14 फरवरी को प्रतिवर्ष उस महान आत्मा को याद करने लगे और यह दिवस को वेलेंटाइन डे बन गया। आज हम वेलेंटाइन डे मनाने के वर्तमान रीति रिवाजों की समीक्षा करें तो पाते है जिस महान संत वेलेंटाइन ने रोम में भारतीय संस्कृति और संस्कारों का अनुशरण कर वैवाहिक पद्धति अपनाने के लिये लाखों युवक-युवतियों को प्रेरित किया।उसी संत के पावन स्मृति दिवस को उन लोगों ने उस दिन का नाम वेलेंटाइन डे दिया। ताकि हर वर्ष उस संत को उसके महान समाज सुधारक कार्य के लिये याद किया जाये। मगर हम देख रहे हैं वेलेंटाइन डे को दुनिया के युवक -युवतियों ने अपने प्यार को मात्र वासना की पूर्ति के लिये 14 फरवरी को प्रेम प्रसंग दिवस बना दिया है। दुनिया के युवक युवतियों का अनुशरण भारत में भी युवा पीढ़ी ने जोर शोर से किया है। 14 फरवरी तो विशेष दिन है । आये दिन बड़े नगरों में नगर निगम नगर पालिका ने बड़े बड़े उद्यान अथवा पार्क आम नागरिकों के लिये विकसित किये हैं, उन पर प्रेमी युगलों ने कब्जा कर लिया ह। वे अपने प्यार के नाम पर वासना की पूर्ति के लिये स्वच्छंद रूप से इन स्थानों पर जाते हैं। प्रेमी युगलों के प्रेमालाप के कारण आम नागरिक इन स्थानों पर नहीं जाते हैं। अगर कोई सैर सपाटा करने इन पार्कों में पहुंच भी जाता है तो प्रेमी अपने प्रेमालाप में दखल मानकर उन्हें अपमानित कर बाहर का रास्ता दिखा देते हैं।

एक ओर पाश्चात्य जगत भारतीय संस्कृति अपनाकर सभ्यता और उच्च मानवीय मूल्यों के आदर्शों को स्थापित कर रहा है।और दूसरी ओर भारतीय लोग पाश्चात्य भोग विलास के आकर्षण में फंसकर सामाजिक नैतिक मूल्यों को समाप्त कर जीवन में अशांति और मानसिक तनाव उत्पन्न कर रहे है। भारतीय माता- पिता अपने कुल संस्कारों के अनुसार बेटी का विवाह करते हैं, जिससे बेटी प्यार,सम्मान, सुख,पवित्रता,शांति को प्राप्त सके,किन्तु पश्चिमी देशों ने अपने धार्मिक साम्राज्य स्थापना की चाह में भोगवादी अपसंस्कृति की चकाचौंध देकर भारतीय चिंतन को विकृत कर दिया है। भारतीय जीवन मूल्यों को पतनोन्मुखी बना दिया है। लव बनाम वासना का गुलाम बना दिया है। प्राचीन काल में गुरुकुल शिक्षा पद्धति थी, लड़के एवं लड़की अलग अलग गुरुकुल में रहकर शिक्षा प्राप्त करते थे। अंग्रेजों ने भारत पर लम्बे समय तक अपना साम्राज्य स्थापित रखने सबसे पहले प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों को नष्ट करने योजनाबद्ध अभियान चलाया। इसी कार्य योजना अनुसार भारत में सहशिक्षा प्रारंभ की। सहशिक्षा का ही दुष्परिणाम है युवक-युवती समीप आ रहे हैं और वेलेंटाइन डे मनाने जैसे घ्रणित कार्य कर रहे हैं।

# 'इलेक्ट्रानिक मिट्टी' पर होगी खेती

विजय गर्ग. शाबाश इंडिया

दुनिया की आबादी लगातार बढ़ रही है। और हम जलवायु परिवर्तन के परिणाम भी देख रहे हैं। यह स्पष्ट है कि हम केवल पहले से मौजूद कृषि तरीकों से ही दुनिया की खाद्य मांगों को पूरा नहीं कर पाएंगे। नई विधियों से कृषि उत्पादन बढ़ाना आवश्यक स्वीडन की लिंकोपिंग यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने 'इलेक्ट्रानिक मिट्टी' विकसित की है, जो फसल के उत्पादन को बढ़ाती है। शोधकर्ताओं ने मिट्टी रहित खेती के लिए एक विद्युत चालक 'मिट्टी' विकसित की है। मिट्टी के बगैर फसलें उगाने की विधि हाइड्रोपोनिक्स के रूप में जानी जाती है। हाइड्रोपोनिक्स के साथ बहुत नियंत्रित तरीके से शहरी वातावरण भी खाद्यान्न उगा सकते हैं। शोधकर्ताओं ने अब एक विद्युत चालक सबस्ट्रेट (मिट्टी की जगह दूसरी सतह) विकसित किया है, जी हाइड्रोपोनिक खेती के अनुरूप है। इस सबस्ट्रेट को 'ई-साइल' कहते हैं। विद्युत चालक 'मिट्टी' में उगाए गए जौ के पौधे 15 दिनों में 50 प्रतिशत अधिक बढ़ गए, जब उनकी जड़ों को विद्युतीय रूप से उत्तेजित किया गया। हाइड्रोपोनिक खेती का मतलब है कि पौधे मिट्टी के बिना बढ़ते हैं। उन्हें केवल पानी, पोषक तत्वों और जड़ों की आवश्यकता होती है। यह प्रणाली पानी के पुनर्चक्रण को सक्षम बनाती है, ताकि प्रत्येक अंकुर को ठीक वही पोषक तत्व मिलें, जिनकी उसे आवश्यकता है। इसलिए कृषि के इस तरीके में बहुत कम पानी की आवश्यकता होती है और सभी पोषक तत्व सिस्टम में बने रहते हैं, जो पारंपरिक खेती में संभव नहीं है। हाइड्रोपोनिक्स के जरिये शहरों में खेती के लिए उपलब्ध सीमित जगह का अधिकतम उपयोग कर सकते हैं। इस तकनीक से शहरों की बहुमंजिला इमारतों और टावरों में वर्टिकल खेती की जा सकती है। इस तरीके से पहले से उगाई जा रही फसलों सलाद, जड़ी-बूटियां और कुछ सब्जियां शामिल हैं। आमतौर पर अनाज को हाइड्रोपोनिक्स विधि से नहीं उगाया जाता, पर अध्ययन में शोधकर्ताओं ने दिखाया है कि हाइड्रोपोनिक्स का उपयोग करके जौ के पौधों की खेती की जा सकती है। विद्युत उत्तेजना से उनकी विकास दर बेहतर हो जाती है। इस तरह कम संसाधनों से तेजी से बढ़ने वाले पौधे प्राप्त कर सकते हैं। इलेक्ट्रानिक मिट्टी सेलूलोज से बनती है, जो कि प्रचुर मात्रा में उपलब्ध बायोपॉलिमर है। इसे पेडोट नामक विद्युत चालक पालिमर के साथ मिलाया जाता है। लिंकोपिंग के शोधकर्ताओं की रमिट्टीश का लाभ यह है कि इसमें ऊर्जा की खपत बहुत कम है और उच्च वोल्टेज का कोई खतरा नहीं है। हाइड्रोपोनिक खेती से उन क्षेत्रों में मदद मिल सकती है जहां पर्यावरणीय परिस्थितियां बहुत कठोर हैं और कृषि योग्य भूमि बहुत कम है।

## पुस्तक मेले में दिल और दिमाग दोनों किताब के साथ धड़कते हैं...

हवा में उत्साह स्पष्ट है क्योंकि पुस्तक मेले में समाज के सभी क्षेत्रों से पुस्तक प्रेमी एकत्रित होते हैं। खूबसूरती से प्रदर्शित पुस्तकों की पंक्तियाँ अलमारियों पर पंक्तिबद्ध हैं, जो दिल और दिमाग दोनों के भीतर जुनून को प्रज्वलित करने के लिए तैयार हैं। जैसे-जैसे पर्यटक मेले का भ्रमण करते हैं, उनका दिल किताबों की सुंदरता पर मोहित हो जाता है। जीवंत कवर डिजाइन, जटिल रूप से तैयार किए गए चित्र, और पन्नों के भीतर छिपी दुनिया का आकर्षक वादा दिल को छू जाता है। वे उन पुस्तकों के प्रति एक अनूठा खिंचाव महसूस करते हैं जो उनकी भावनाओं से मेल खाती हैं, उनकी गहरी इच्छाओं, भय और सपनों को दर्शाती हैं। उनके हाथों में पकड़ी गई प्रत्येक पुस्तक नए अनुभवों का द्वार है, उन पात्रों से जुड़ाव है जो उनके साथी बन जाते हैं, और कल्पना के दायरे में एक यात्रा है। दिल प्रत्याशा से धड़कता है क्योंकि वह खोजे जाने की प्रतीक्षा कर रही कहानियों का पता लगाने के लिए उत्सुक रहता है। साथ ही मन पुस्तक मेले में भी खूब लगा हुआ है। यह पन्नों में निहित ज्ञान और बुद्धिमत्ता पर पनपता है। शैलियों और विषयों की विविध श्रृंखला - विज्ञान और इतिहास से लेकर दर्शन और कविता तक - मन के लिए एक बौद्धिक खेल का मैदान प्रदान करती है। यह बौद्धिक उत्तेजना, मानसिक चुनौती और अपने क्षितिज का विस्तार करने का अवसर चाहता है। प्रत्येक पुस्तक विचारणीय जानकारी, विचारों और दृष्टिकोणों का खजाना बन जाती है। मन उत्साह से दौड़ जाता है क्योंकि वह नई अवधारणाओं, आलोचनात्मक सोच और पन्नों में समाहित भाषा की शक्ति को आत्मसात कर लेता है। दिल और दिमाग के बीच इस सामंजस्यपूर्ण नृत्य में, पुस्तक मेला आत्मा का स्वर्ग बन जाता है। यह एक ऐसी जगह है जहां आगंतुक अपने जुनून को पूरा कर सकते हैं, अपनी बुद्धि का पोषण कर सकते हैं और अपनी आत्मा का पोषण कर सकते हैं। किताबों के पन्ने प्यार, रोमांच, ज्ञान और विकास की कहानियाँ सुनाते हैं, जो सीधे उनके अस्तित्व के सबसे गहरे हिस्सों से बात करते हैं। दिल और दिमाग एक साथ धड़कते हैं, लिखित शब्द के प्रति उनके प्यार में एकजुट होते हैं। जैसे ही पुस्तक मेला समाप्त होता है, उपस्थित लोग अपने साथ उस जादू का एक टुकड़ा ले जाते हैं जिसका उन्होंने उन पन्नों में सामना किया था। उनके दिलों की धड़कन और दिमाग की दौड़ किताबों की दुनिया से हमेशा जुड़ी रहती है। वे अधिक कहानियों को अपने दिल में फुसफुसा कर सुनाने और ज्ञान को अपने दिमाग में समाहित करने की एक अतृप्त भूख के साथ निकलते हैं। पुस्तक मेले में दिल और दिमाग का मेल हम सभी को समृद्ध करने,

प्रेरित करने और एकजुट करने की साहित्य की स्थायी शक्ति का प्रमाण बन जाता है।

## 39एक प्रभावशाली व्यक्ति बनने के लिए स्वयं को कैसे सुधारें?

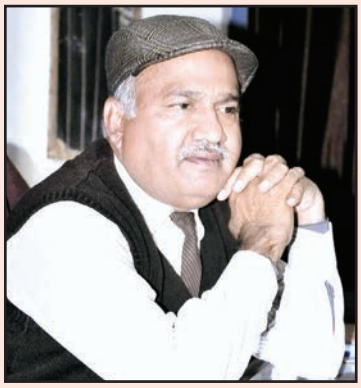

हम सभी ऐसे समाज में रहते हैं जहां हर चीज को पहली नजर में ही आंका जाता है। बिस्किट के पैकेट को साधारण लपेटने से लेकर कार के लुक तक। हम सिर्फ बाहरी दिखावे में विश्वास रखते हैं। हम इतनी तेजी से आगे बढ़ गए हैं कि पहली नजर में ही निर्णय लेना हम सभी की आदत बन गई है। लेकिन पृथ्वी पर कुछ और जगहें बची हैं जहां हम केवल अपने सुपरिभाषित व्यक्तित्व के साथ ही पहुंच सकते हैं, अन्यथा हमें किसी भी समय बाहर कर दिया जाएगा। इसलिए यहां मैं कुछ साझा करूंगा जो आपको एक प्रभावी व्यक्ति बनने के लिए अपने दृष्टिकोण और व्यक्तित्व को सही करने में मदद करेगा। अपना रवैया ठीक करने के लिए यहां कुछ युक्तियां दी गई हैं। सुबह की गतिविधियों के लिए एक निश्चित कार्यक्रम निर्धारित करें। सुनिश्चित करें कि आप कोई भी गतिविधि न छोड़ें। सबसे पहले जिस व्यक्ति को देखें उसे सुप्रभात कहें। यह निश्चित रूप से आपके दिमाग को किसी भी तनाव से मुक्त करने में मदद करेगा और यदि संभव हो तो चाय या कॉफी और यहां तक कि गर्म पानी जैसे किसी भी गर्म तरल पदार्थ को पीने की आदत बनाने का प्रयास करें। योग या व्यायाम हमारे शरीर और दिमाग के लिए भी बहुत स्वस्थ होते हैं। अपने दिन की शुरूआत खाली पेट न करें अन्यथा इससे आपका ध्यान भटक सकता है। कभी भी किसी की प्राथमिकता में कूदने की कोशिश न करें। इससे उस व्यक्ति पर आपके बारे में नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। किसी को भी प्रभावित करने के लिए आपके पास अच्छे संचार कौशल होने चाहिए। संचार का मतलब है कि आप सामने वाले व्यक्ति को कैसे समझते हैं और उस पर कैसे प्रतिक्रिया देते हैं। अभिवादन के साथ संचार भाग को स्वयं आरंभ करने का प्रयास करें। यह संचार में घनिष्ठ संबंध लाता है। आप हर बात पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं यह आपको अच्छी तरह से पता होना चाहिए, नहीं तो सब व्यर्थ हो जाएगा। गलतफहमी से बचने का प्रयास करें। यदि आप समझ नहीं पाए हैं कि दूसरे व्यक्ति ने क्या कहा है तो उसे दोहराने के लिए कहें। यह कभी-कभी अजीब लग सकता है लेकिन किसी भी गलत संचार से बचने का यह सबसे अच्छा तरीका है। अब अपनी समझ को बढ़ाने के लिए आपको उस व्यक्ति की तरह सोचना और बात करना होगा जिससे आप बात कर रहे हैं। इससे आपके लिए उनके दिल में प्रवेश करने का रास्ता बन जाएगा। जिससे आगे संवाद करने में काफी मदद मिलेगी। कोई भी सलाह या समाधान देने से पहले सुनिश्चित करें कि आप जानते हैं कि उनके दिमाग में क्या चल रहा है। यह आपको बताएगा कि क्या वे आपकी सलाह का पालन करेंगे या इसे कूड़ेदान में डाल देंगे। एक प्रभावी व्यक्ति बनने के लिए आपको बॉडी लैंग्वेज का भी ज्ञान होना चाहिए जो संचार की गुणवत्ता को बढ़ाता है। जिस व्यक्ति से आप बात करते हैं उसे हमेशा अलविदा कहें। यह आपके जाने के बाद भी एक अच्छा प्रभाव डालता है। यही एक प्रभावी व्यक्ति का गुण है. एक प्रभावी व्यक्ति कभी भी विपरीत व्यक्ति पर हावी होने की कोशिश नहीं करता बल्कि संचार के माध्यम से अच्छा संबंध स्थापित करने का प्रयास करता है। कोई एक दिन में प्रभावशाली व्यक्ति नहीं बन सकता. लेकिन एक दिन निश्चित रूप से वह एक प्रभावी व्यक्ति हो सकता है। और यहीं रवैया और व्यक्तित्व सही और मजबूत होना चाहिए।

**विजय गर्ग: सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार पंजाब**

# तीर्थंकर विमलनाथ जन्म तप कल्याणक मनाया

## माघ मास के पर्युषण पर्व आज बसंत पंचमी से

बासवाड़ा। फैडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज द्वारा जैन धर्म के तेरहवें तीर्थंकर भगवान विमलनाथ स्वामी का जन्म तप कल्याणक पर्व पारम्परिक श्रद्धा एवं भक्ति भाव से मनाया गया। फैडरेशन के राष्ट्रीय महामंत्री अजीत कोठिया ने बताया की इस अवसर पर पुरे देश में जिनालयों मे प्रातः प्रभु के जन्म एवं तप कल्याणक अर्घ्य समर्पित कर उनके व्यक्तित्व एवम् कृतित्व पर सूचनाएं दी गई। इसी क्रम मे दिगंबर जैन समाज के माघ मास के पर्युषण पर्व आज माघ शुक्ल बसंत पंचमी 14 फरवरी से प्रारम्भ होकर माघ शुक्ल चतुर्दशी 23फरवरी पर्यन्त जारी रहेंगे। फैडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज के राष्ट्रीय महामंत्री अजीत कोठिया ने बताया की पर्व के दौरान धर्म के दशलक्षण पर्व

के रूप में दश धर्मो उत्तम क्षमा, मार्दव, आर्जव, सत्य, शौच, संयम, तप, त्याग, आकिंचन्य एवम उत्तम ब्रह्मचर्य की पूजा की जाएगी । उल्लेखनीय है दशलक्षण पर्व वर्ष में तीन बार आते हैं और जैन समाज इन दिनों अपने साधु संतो के माध्यम से विविध धार्मिक अनुष्ठान कर विशेष धर्म प्रभावना करता है। फैडरेशन द्वारा इस मौके पर रात्रि मे सभी प्रोविंस पदाधिकारियों से अपने अपने प्रांत में अध्यात्म सरोवर के राजहंस आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के उत्तम स्वास्थ्य लाभ हेतु भक्तामर स्तोत्र के 48काव्यो के अखंड पाठ करने का आह्वान किया है। फैडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बसंत कुमार दोशी,महामंत्री अजीत कोठिया, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र चापावत, उपाध्यक्ष प्रवीण जैन खेरवाडा, प्रमोद जे शाह गुलबर्गा, कालिदास गांधी दोहद, सचिन शहा नवी मुंबई,कोशल्या पंतग्या इंदौर, मंत्री श्रीपाल के शाह हिम्मतनगर, डा. राजमल कोठारी, मिहिर गांधी, महेंद्र जे शाह सहित सभी पदाधिकारियों ने सभी हूमड़ जनो को पर्युषण पर्व की शुभकामनाएं देते हुए आचार्य श्री विद्यासागर जी को के उत्तम स्वास्थ्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

# अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी के प्रवचन से...

**अपना समय पागलपन में नहीं, अब तो परम हंस बनने में लगाओ..**
**क्योंकि आज के रिश्ते और रिश्तेदार स्वार्थ और पैसों से चल रहे हैं..!**

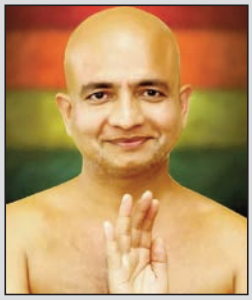

सबसे ज्यादा समझदार कहलाने वाला इंसान, सबसे ज्यादा दुःखी और परेशान मिलेगा। जिनको हम नादान, ना-समझ जानवर कहते हैं, वो हमें सुखी दिख रहे हैं, वनस्पत इंसान की अपेक्षा। इंसान को जो स्कूल, कॉलेज, शिक्षक, मन्दिर, मस्जिद, गिरजा, धर्म और धर्म गुरू नहीं सिखा पाये,, वो पशु, पक्षी, जानवरों से सीखें तो बहुत कुछ सीख सकता है।
जैसे...

- वो रात को कुछ नहीं खाते।
- रात को घूमते नहीं।
- अपने बच्चों को वो खुद ट्रेनिंग देते हैं। दूसरों के पास नहीं भेजते।
- वो ठूस ठूस के नहीं खाते।थोड़ा सा खाकर उड़ जायेंगे, पर साथ लेकर नहीं जायेंगे।
- समय से सोते हैं और सुबह ब्रह्ममुहूर्त में गाते गुनगुनाते उठ जायेंगे।
- अपना भोजन कभी नहीं बदलते।
- अपने कुल, वंश में ही शादी करेंगे। दूसरी बिरादरी में नहीं।
- अपने शरीर से सतत काम लेंगे। रात के अलावा विश्राम नहीं करते।
- बिमार होने पर भोजन छोड़ देते हैं। जब स्वस्थ होंगे तभी खायेंगे।
- अपने बच्चों से खूब प्यार करते हैं। नौकरों के सहारे नहीं छोड़ते।
- आपस में मिल जुलकर ही रहते हैं। लड़ने, झगड़ने पर फिर एक हो जाते हैं।
- प्रकृति के सभी नियमों का पालन करते हैं।
- अपना घर इको फ्रेंडली बनायेंगे।

आप सोचो समझदार कौन? इसलिए... भूमि और भाग्य का एक ही स्वभाव है। जो बोओगे, वो ही पाओगे। **-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद**

# खुशियों का बसंत, मुबारक हो...

**उदयपुर. शाबाश इंडिया।** ''ऋतुराज बसंत'' के स्वागत में समर्पित ये पंक्तियाँ बेहद खास हैं.....

**धरा पे छाई है हरियाली,**
**खिल गई हर इक डाली डाली,**
**उडते पक्षी नीलगगन में,**
**नई उमंग छाई हर मन में,**
**लाल गुलाबी पीले फूल,**
**खिले शीतल नदिया के कूल,**
**देखो यह बसन्त मस्तानी,**
**आ गई है ऋतुओं की रानी**

जैसे हमारे जीवन में जवानी का मौसम आता है, वैसे ही बसंत भी इस प्रकृति की जवानी है और शायद इसीलिए जवानी के इस मौसम में चारों ओर प्रेम ही प्रेम बरसता है। खूबसूरती और हरियाली से प्रकृति का रोम-रोम हर्षित हो उठता है। जाती हुई सर्दियां, धीरे-धीरे तेज होती हुई गुनगुनी धूप और चारों तरफ खिलता मौसम, प्रेमियों के मन में प्रेम के अंकुर डाल देता है। पेड़ों के सूखे पत्ते झड़कर नई कोंपलों के रूप में पुनः फूटने लगते हैं। खेतों में लहलहाती सरसों, चने और गेहूँ की फसलें देखकर हवा के साथ बहता मेरे देश के धरतीपुत्र का मन गदगद हो जाता है। इस अहसास को कवि केदारनाथ अग्रवाल ने कुछ यूं व्यक्त किया है-

हवा हूँ, हवा मैं
बसंती हवा हूँ।
बड़ी बावली हूँ,
बड़ी मस्तमौला
नहीं कुछ फिकर है,
बड़ी ही निडर हूँ।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार बसंत पंचमी के दिन ही भगवान ब्रह्मा जी की जिह्वा से वाणी, ज्ञान और बुद्धि की देवी माता सरस्वती प्रकट हुईं थीं। इसीलिए आज के दिन माता सरस्वती की विशेष पूजा का विधान भी है। शिक्षा और संगीत के क्षेत्र से जुड़े लोग पीले वस्त्र पहनकर माँ सरस्वती का पूजन कर उनकी कृपा प्राप्त करते हैं। माना जाता है पीले रंग से मानसिक शान्ति की प्राप्ति के साथ आत्मविश्वास में भी वृद्धि होती है। अतः आज से आपके जीवन में भी नव चेतना एवं नई प्रसन्नताओं का आगाज हो, इसी कामना के साथ हमारे सुधी पाठकों को आज के दिन की अनंत शुभकामनाएं।

**ओमपाल सीलन,**
**फि ल्म पत्रकार एवं समीक्षक,**
**वीआईएफटी, उदयपुर**

# प्रेम का इजहार

पुलवामा में जो शहीद हुए,
वो वीर बड़े बलिदानी थे।
भारत माता के प्रेम की खातिर,
जिन्होंने स्वयं की जान न्यौछावर की
वो सच्चे हिंदुस्तानी थे।
सब मना रहे थे प्रेम दिवस
उन्होंने देश की खातिर, अपना प्रेम दिखलाया था।
भारत माता के वीर सपूतों ने
देश के लिए, अपने सच्चे प्रेम का इजहार जतलाया था।
देश की बाहों में उनने
अपनी सांसों को तोड़ा था
प्रेम दिवस पर वतन की खातिर
खुद के अपनों से मुख मोड़ा था।
हुए शहीद, पर देश का परचम फहराया था
भारत माता के वीर सपूतों ने
देश के लिए, अपने सच्चे प्रेम का इजहार जतलाया था।

स्वरचित
रचना शर्मा

# मिस्टर एण्ड मिस ब्यावर 2024 का आयोजन होगा 9 मार्च को कार्यक्रम में लगभग 50 से अधिक बच्चे व बच्चियां लेगीं भाग

**अमित गोधा. शाबाश इंडिया**

**ब्यावर।** ब्यावर में आगामी 9 मार्च को एक विशाल मिस्टर एण्ड मिस ब्यावर - 2024 का आयोजन 'रेड स्टार कम्पनी' की और से आयोजित होगा। इस मौके पर व्यावर की प्रतिभाओं को एक मंच मिलेगा जिस पर अपना हुनर दिखा सके। इस विशाल कार्यक्रम के लिए कम्पनी की और से की गई है। जिसमें प्रतिभागी तमाम व्यवस्थायें को ड्रेस, मैकअप व अन्य सामान कम्पनी की और से ही दिये जायेगें। इस मंच के माध्यम से शहर के युवक - युवतियों को फैशन और मोडलिंग के क्षेत्र में जाने के अवसर भी प्रदान होंगे, चूंकि इस कार्यक्रम में मुम्बई के कई आर्टिस्ट व फिल्मी नगरी के प्रॉड्यूशर, निर्माता- निदेशक व लेखक आदि भी भाग लेगें। इस मंच पर शहर के कलाकारों व फैशन डिजायनिंग में शौक रखने वाले युवक-युवतियों को अपनी प्रतिभा को दिखाने का अवसर प्रदान होगें। कार्यक्रम संयोजक उर्मीला सोलकी ने बताया कि ब्यावर के बच्चों के लिए यह अपने आपमें पहला ऐसा मौका होगा जब इस तरह का कार्यक्रम वह भाग लेगें। इस कार्यक्रम में विप्रा मेहता, मिस यूनिवर्स ग्राण्ड, स्टार प्लस के पाण्डे जी से ऋषभराज शर्मा, राजस्थान की जानी-मानी कलाकार गुलाबो व उनकी पूरी टीम भी भाग लेगी। इस मौके पर कार्यक्रम का रॉकी गिल व इण्टरटेन्टमेन्ट व चण्डीगढ से मिस आयशा अग्रवाल ब्यावर के जाये- जन्मे और मुम्बई में धाक जमाने वाले फिल्मी दूनिया के कलाकार व फिल्म डायरेक्टर सुमीत कुमावत, लाईन प्रॉड्यूशर महावीर झांकल सहित कई लोग भाग लेगें। संयोजिका उर्मीला सोंलकी ने बताया कार्यक्रम अजमेर रोड़ स्थित होटल एण्ड रेस्टोरेंट मंगल ग्रांट में शाम 6 बजे से कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। इसके लिए टिकिटों की भी व्यवस्था की गई है। 200 व 500 रुपये की व्यवस्था है। इसके अतिरिक्त मंच पर अपना हुनर दिखाने वाली व वाले को 3000 रुपये देने होगें। इस कार्यक्रम के तीन दौर चलेगें। जिसमें प्रथम, द्वितीय व तृतीय आने वाले प्रतिभागियों को पुरुष्कृत किया जायेगा। इसके अतिरिक्त इस कार्यक्रम में राजस्थानी, वेबसिरीज व हिन्दी फिल्मों के लोग भी शिरकत करेंगे।

# प्रज्ञा जैन सोशल ग्रुप के पदाधिकारियों ने खिलाया असहाय गायों को हरा चारा

## आचार्य श्री विधासागर जी महाराज के स्वास्थ्य लाभ की कामना को लेकर हुआ कार्यक्रम

**विमल जोला. शाबाश इंडिया**

निवाई। प्रज्ञा जैन सोशल ग्रुप के पदाधिकारियों के सानिध्य में दिगम्बर जैन समाज के श्रद्धालुओं द्वारा सन्त शिरोमणि आचार्य श्री विधासागर जी महाराज के स्वास्थ्य की कामना को लेकर ग्रुप सचिव विमल जौंला के नेतृत्व में निवाई के गोशाला मे असहाय गायों को हरा चारा गुड़ बांट आदि खाद्य पदार्थ खिलाकर कार्यक्रम आयोजित किया। जिसमें जैन सोशल ग्रुप प्रज्ञा के अध्यक्ष महावीर प्रसाद पराणा सचिव विमल जौंला, सुनील भाणजा, महावीर प्रसाद छाबड़ा, संजय सोगानी, मनोज पाटनी, राजेश झिलाय, संजू जौंला, शकुंतला छाबड़ा, शशी सोगानी, लक्की छाबड़ा, नेहल जौंला सहित कई जैन सोशल ग्रुप प्रज्ञा के पदाधिकारियों एवं छात्र छात्राओं ने गायों को हरा चारा खिलाकर आचार्य श्री विघासागर जी महाराज के स्वास्थ्य लाभ की कामना की। जैन सोशल ग्रुप प्रज्ञा के सचिव विमल जौंला ने बताया कि आगामी माह में आचार्य श्री के दर्शनार्थ के लिए जैन सोशल ग्रुप का पहला जत्था चंद्रगिरी डोंगरगढ़ महाराष्ट्र जाएंगे। जौंला ने बताया कि इसी तरह 3 मार्च 2024 को जैन सोशल ग्रुप निवाई से कुण्डलपुर बडे. बाबा दमोह मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय स्तर पर फेडरेशन का अधिवेशन किया जा रहा है। जिसमें निवाई से सैकडों ग्रुप के सदस्य भाग लेंगे।

# हजीरा स्थित अटठर टाउनशिप में आज देश भर के ख्यातनाम हास्य कवि देंगे अपनी प्रस्तुति

**सूरत. शाबाश इंडिया।** सूरत के हजीरा ओद्योगिक विस्तार स्थित आर्सेलर मित्तल निपोन स्टील इंडिया (पूर्व में एस्सार) के AMNS टाउनशिप के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा गठित नन्द निकेतन सरस्वती पूजा कमेटी द्वारा 14 फरवरी को वसन्त पंचमी के अवसर पर रात्रि 8 बजे विराट हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है। पूजा कमेटी के विकास शर्मा ने बताया कि इस कवि सम्मेलन में सूत्रधार गणपत भंसाली के निर्देशन में देश भर के ख्यातनाम कवियों को आमन्त्रित किया गया है। जिसमें निम्न कविगण अपनी प्रस्तुति देंगे। ये उल्लेखनीय है कि नन्द निकेतन टाउनशिप की सरस्वती पूजा कमेटी द्वारा हर पिछले 15 वर्षों से वीणावादिनी माँ सरस्वती की विशाल प्रतिमा विराजित कर पूजा-अर्चना की जाती है व विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम व प्रति वर्ष हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन होता आ रहा है। 14 फरवरी के हास्य कवि सम्मेलन में निम्न कवि अपनी प्रस्तुति देंगे। कुमार मनोज (मंच संचालक) इटावा, राधेश्याम भारती (हास्य-व्यंग्य) प्रयागराज, रोहित शर्मा (मुम्बई) हास्य-व्यंग्य, संजय खत्री (बेटामा-इंदौर) हास्य व्यंग्य, पद्मिनी शर्मा (नई दिल्ली), गीत-गजल।

# शुकलमाघ तुरी तिथि जानिये...

## शहर के जैन मंदिरों में गूंजे भगवान विमलनाथ के जयकारे, मनाया तेरहवें तीर्थंकर भगवान विमल नाथ का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव

**गुरुवार, 15 फरवरी को तेरहवें तीर्थंकर भगवान विमल नाथ का ज्ञान कल्याणक महोत्सव, दिगम्बर जैन मंदिरों में होंगे विशेष आयोजन**

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** जैन धर्म के तेरहवें तीर्थंकर भगवान विमलनाथ का जन्म व तप कल्याणक दिवस जैन धर्मावलंबियों द्वारा भक्ति भाव से मनाया गया। इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किये गये। राजस्थान जैन सभा जयपुर के मंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि इस मौके पर भगवान विमलनाथ के अभिषेक के बाद विश्व में सुख शांति और समृद्धि की कामना करते हुए शांतिधारा की गई। तत्पश्चात अष्ट द्रव्य से भगवान की पूजा-अर्चना की गई। पूजा के दौरान जन्म कल्याणक श्लोक " शुकलमाघ तुरी तिथि जानिये।

जनमंगल ता दिन मानिये।। हरि तबै गिरिराज विषैं जजे। हम समर्चत आनन्द को सजे।। " का उच्चारण करते हुए जयकारों के बीच जन्म कल्याणक अर्घ्य चढाया गया । इसी प्रकार तप कल्याणक श्लोक का उच्चारण करते हुए तप कल्याणक अर्घ्य चढाया गया । अन्त में आरती के बाद समापन हुआ। जैन के मुताबिक मंगलवार को मनिहारों का रास्ता स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर संघीजी में अध्यक्ष प्रेम चन्द बडजात्या एवं मंत्री विपिन बज के नेतृत्व में मूलनायक भगवान विमलनाथ का जन्म व तप कल्याणक दिवस मनाया गया। जैन के मुताबिक आमेर की दिगम्बर जैन नसियां कीर्ति स्तम्भ, सांगानेर के श्री दिगम्बर अतिशय क्षेत्र मंदिर संघीजी, आगरा रोड स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी सहित कई मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन किए गए। बुधवार,14 फरवरी को दिगम्बर जैन आचार्य कुन्द कुन्द का जन्म जयंती महोत्सव मनाया जाएगा। इसी तरह गुरुवार, 15 फरवरी को तेरहवें तीर्थंकर भगवान विमलनाथ का ज्ञान कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा। शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना सहित संगोष्ठी, णमोकार महामंत्र के पाठ, आरती, भक्ति संध्या आदि के आयोजन होगें।

# कामां पंचकल्याणक महामहोत्सव का सांसद घनश्याम तिवारी को दिया निमंत्रण पत्र

**जयपुर. शाबाश इंडिया।** परम पूज्य समाधिस्थ प्रथम गणिनी श्री विजयमति माताजी की पावन जन्मभूमि कामां जिला डीग (राजस्थान) में देवाधिदेव 1008 श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर दीवान जी व गुरु मंदिर का भव्यतम पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महा महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ 28 फरवरी से 4 मार्च कामसैन स्टेडियम कोटि ऊपर कामां राजस्थान में परम पूज्य आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज ससंघ सानिध्य में प्रतिष्ठाचार्य पंडित महावीर जी गींगला के निर्देशन में आयोजन होगा। महोत्सव समिति के संयोजक प्रवीण बडजात्या ने अवगत कराया की 13 फरवरी दोपहर 3:00 बजे राजस्थान विधानसभा में माननीय राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवारी को पंचकल्याणक महामहोत्सव उद्घाटन समारोह 28 फरवरी को मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होने हेतु निमंत्रण पत्र दिया प्रतिनिधि मंडल में युवा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन, धर्म जागृति संस्थान के प्रांतीय अध्यक्ष पदमजी बिलाला, जैन मंदिर प्रबंध समिति झोटवाड़ा के उपाध्यक्ष अशोक बडजात्या, वैशाली नगर जैन जयपुर के युवा समाजसेवी प्रवीण बडजात्या आदि उपस्थित थे।

# जयपुर व्यापार महासंघ की मीटिंग संपन्न

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल व महामंत्री सुरेन्द्र बज ने बताया की महासंघ की मीटिंग आज राजस्थान चेंबर भवन सभा हाल में हुई जिसमें आगामी 15 फरवरी को जयपुर के व्यापारियों की समस्याओं को लेकर बड़ी चौपड़ पर महासंघ द्वारा दिए जाने वाले धरने पर सभी उपस्थित सदस्यों ने जयपुर के सभी व्यापार मंडलों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में शामिल होने की अपील की। व्यापार महासंघ के कार्यकारी अध्यक्ष हरीश केडीया व वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेश सेनी ने बताया की बड़ी चौपड़ पर 15 फरवरी को दोपहर 11बजेसे 2 स्रे बजे तक गणेश जी के मंदिर के बाहर जयपुर व्यापार महासंघ द्वारा व्यापारीयो व नागरिकों की समस्याओं के निराकरण के लिए सरकार व प्रशासन पर दबाव बनाने हेतु धरना दिया जाएगा । वो धरने के धरने के संयोजक कैलाश मित्तल ने बताया कि धरने के संबंध में सभी व्यापार मंडलों में सर्कुलर जारी किए जा रहे हैं वह सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल व महामंत्री सुरेन्द्र पंचमी बताया कि व्यापार महासंघ द्वारा समस्याओं के संबंध में ज्ञापन मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री जयपुर शहर के सभी निर्वाचित विधायक गण सांसद रामचरण बोहरा व प्रशासनिक अधिकारियों को पूर्व में भेजा जा चुका है व समस्याओं के निराकरण के लिये बहुत बार आग्रह किया जा चुका है।

# गाजे-बाजे संग निकले चक्रवर्ती श्रीमद जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा प्राण महामहोत्सवः राज्याभिषेक दीक्षा विधि संस्कार

**ऋषभदेव, उदयपुर. शाबाश इंडिया**

श्रीमद चौबीसी जिनेन्द्र पंचकल्याणक महा महोत्सव के अवसर पर मंगलवार को चक्रवती की दिग्विजय यात्रा के वर्धमान सभागार पहुंचने पर वात्सल्य वारिधि आचार्यश्री वर्धमान सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में राज्याभिषेक व दीक्षाविधि संस्कार जयकारों के बीच किया गया।पंचकल्याणक प्रतिष्ठा प्राण महामहोत्सव के तीसरे दिन चक्रवर्ती की दिग्विजय यात्रा गाजे-बाजे के साथ निकाली गई।बैड की मधुर ध्वनियों के बीच निकली यात्रा के दौरान जैन समाज के लोगों ने नृत्य करते हुए खुशियां मनाई। यात्रा गुरुकुल स्थित वर्धमान सभागार पहुंचा। वात्सल्य वारिधि आचार्यश्री वर्धमान सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में जयकारों के बीच भगवान के माता-पिता ने संहितासूरि पंडित हंसमुख जैन धरियावद पंडित सुधीर शास्त्री मार्तंड के मंत्रोच्चार के बीच तीर्थंकर बालक का राज्याभिषेक करवाया गया। बाद में वैराग्य दर्शन व तीर्थंकर महाराज का गृह त्याग का मंचन किया गया। आचार्य श्री के सान्निध्य में दीक्षा विधि संस्कार, तपकल्याणक पूजा व हवन का आयोजन किया गया। श्रीमद जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा प्राण महामहोत्सव के तहत वर्धमान सभागार में आयोजित प्रवचन सभा में आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने कहा आज आज आपने तीर्थंकर बालक की देव बालकों के साथ क्रीड़ा देखीहै ,संसार का हर प्राणी क्रीडा करता है जो किसी भी रूप में होती है संसार असार है इस असार संसार में रहने वाले सुख की कल्पना कर लौकिक सुख चाहते हैं ।संसार समुद्र में दुख से डूबे हैं संसार में सुख नहीं है सुख शाश्वत होना चाहिए और शाश्वत सुख धर्म से मिलता है और धर्म से पुण्य कमाया जाता है। और पुण्य से ही सुख के राह मिलती है ।बाल क्रीड़ा में अपने कबड्डी का खेल देखा ।संसारी प्राणी भी पुण्य और पाप की कबड्डी में मग्न है। पुण्य प्राप्ति के लिए धर्म की क्रिया करना होगी पाप हमेशा पुण्य से हारता है पुण्य यदि हारता है तो हमें संसार रूपी समुद्र में दुख रूपी मगरमच्छ मिलते हैं। आचार्य श्री ने बताया कि हम साधु बाईस परिषह सहन करते हैं किंतु आप गृहस्थ लोग बाईस हजार से अधिक परिशह कष्ट दुख को सहन करते हैं इसके बावजूद आप संसार में रचे पचे हैं ,और दुख में सुख खोज रहे हैं। दिनभर आप खाना खाते हैं तो भी आपके भूख समाप्त नहीं होती । आचार्य श्री ने बताया कि इंसान से पशु ठीक है क्योंकि वह दिन भर खाने के बाद भी जुगाली करते हैं मगर इंसान कभी धर्म रूपी , वैराग्य रूपी , स्वाध्याय रूपी जुगाली नहीं करता ।संत आपको अभिषेक ,दर्शन, पूजन स्वाध्याय की प्रेरणा देते हैं किंतु उसमें आपकी रुचि नहीं रहती है ।देव शास्त्र गुरु संत समागम पुण्य धर्म अर्जित करने के साधन है यह रत्नत्रय धर्म के अंग हैं रत्नत्रय धर्म के अवलंबन से सिद्धालय की राह प्राप्त होती है। पंचकल्याणक कार्यक्रम में बाल क्रीड़ा सहित अन्य कार्यक्रम आमोद प्रमोद के साधन नहीं है यहां नाटक के रूप के माध्यम से आपको उपदेश दिया जाता है इसलिए अभिषेक पूजन स्वाध्याय करके जीवन में पुण्य का अर्जन कर मनुष्य जीवन को सार्थक करने का प्रयास करना चाहिए।आचार्य श्री ने आगम परंपरा पर कुठाराघात को दुर्भाग्य शाली बता कर जनवाणी के बजाय जिनवाणी आगम का अनुसरण करने की प्रेरणा दी आर्ष परंपरा शास्त्र अनुरूप जीवन को बनाए, पंच कल्याणक से खाली हाथ नहीं जाकर छोटे छोटे नियम व्रत लेकर प्रतिदिन देव दर्शन, अभिषेक, पूजन, स्वाध्याय, मनन,चिंतन, से जीवन में परिवर्तन लाकर मनुष्य जीवन को सार्थक करने का प्रयास करे कि तीर्थंकर राजकुमार भोगो से विरक्त होकर ,संयम की ओर कदम बढ़ाए। दीक्षा धारण की। साधक बने आत्म साधना में लीन हुए आचार्य श्री ने प्रवचन में आगे बताया कि ऋषभदेव महामुनिराज जन्म से मति ज्ञान श्रुतज्ञान, तथा अवधिज्ञान के धारी होते हैं। तथा जब मुनिराज बनते हैं तब उन्हें मंनपर्यय ज्ञान भी हो जाता है। नीलांजना की मृत्यु को देखकर राजा ऋषभदेव को वैराग्य हुआ दीक्षा के बाद तप करके केवल ज्ञान प्राप्त किया। श्रीमद जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्राण प्रतिष्ठा महा महोत्सव के तीसरे दिन मंगलवार को विभिन्न कार्यक्रम हुए। जन्मकल्याणक के तहत प्रतिष्ठाचार्य हंसमुख जैन एवं सुधीर मार्तंड के निर्देशन में प्रातः जिनाभिषेक एवं नित्यार्जन और बाल क्रीडा का आयोजन किया गया। वर्धमान सभागार में वात्सल्य वारिधि आचार्य वर्धमान सागर को शास्त्र भेंट करने सौभाग्य रूपादेवी मनोज जी दोषी को मिला वही पाद प्रशालन करने का सौभाग्य सेठ राजमल कोठरी परिवार को प्राप्त हुआ। पारसोला समाज के लगभग 500 भक्तो ने वर्ष 2024 के वर्षायोग हेतु निवेदन कर श्रीफल भेट किया पारसोला में आगामी 4 मार्च से 8 मार्च तक आचार्य श्री वर्धमान सागर जी सानिध्य में पंच कल्याणक होगा। शाम को श्रीजी की आरती के बाद शास्त्र सभा के बाद स्थानीय महिलाओ द्वारा आचार्य वर्धमान सागर गौरव गाथा सुंदर नाटिका मंचन को देखने के लिए जैन समाज के लोगों का सैलाब उमड़ा। **जनजाति मन्त्री खराडी ने लिया आर्शिवादः** प्रतिष्ठा महोत्सव मे मंगलवार को दोपहर बाद जनजाति क्षेत्रिय विकास मन्त्री बाबूलाल खराडी सभा मे पहुंचे और आर्चाय श्री को श्रीफल भेट कर आशिर्वाद लिया इस अवसर पर ट्रस्ट की और से शाल ओडा पगडी पहना कर स्वागत किया गया इस दौरान पूर्व मन्त्री शुशील कटारा, पूर्व विधायक नानालाल अहारी, वरिष्ठ भाजपा नेता जिनेन्द्र शास्त्री पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष भंवर सिंह पंवार के सी शर्मा सहीत भाजपा नेता मौजूद थे।

# दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा मनोरंजक बसंतोत्सव व वेलेंटाइन डे का हुआ भव्य आयोजन

## रंगारंग फूलों की होली के साथ बसंतोत्सव मनाया

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा रविवार, 11फरवरी, 2024 को प्रथम स्नेह मिलन समारोह बसंतोत्सव व वेलेंटाइन डे का भव्य आयोजन सेंटर टाउन गायत्री नगर महारानी फार्म पर हुआ।

ग्रुप अध्यक्ष मनीष-शोभना लोंग्या व सचिव राजेश-रानी पाटनी ने बताया कि मुख्य समन्वयक संजय-ज्योति छाबड़ा, सयोजक प्रदीप-प्राची जैन, डॉ अनुपम-विनिता जैन तथा मनोज-ममता जैन द्वारा बहुत ही सुंदर व व्यवस्थित रूप से आयोजन को अंजाम तक पहुंचाया।

ग्रुप संस्थापक अध्यक्ष राकेश-समता गोदिका ने बताया कि कार्यक्रम शुरू से ही मनोरंजन से भरपूर रहा विशेष रूप से बसंतोत्सव की थीम पर डांस ट्रूप AJ 'S Dance Academy द्वारा रंगारंग फूलों की होली डांस व राजस्थानी लोक नृत्य की भव्य प्रस्तुति। कार्यक्रम में सभी ने डांसर के साथ खूब मस्ती की। ग्रुप संरक्षक दर्शन विनिता जैन व परामर्शक दिनेश - संगीता गंगवाल ने बताया कि सायकाल भोजन के पश्चात नो बार णमोकार मंत्र का वाचन समता गोदिका के नेतृत्व में ग्रुप की महिला सदस्यो ने किया। उसके पश्चात सयोजक डॉ अनुपम - विनिता जैन तथा मनोज - ममता जैन द्वारा सयोजक प्रदीप - प्राची जैन के द्वारा निर्मित वेलेंटाइन हाऊजी की सुंदर व मनोरंजक प्रस्तुति ने माहोल को रोमांटिक बना दिया। सभी ने खूब डांस कर वेलेंटाइन डे कार्यक्रम का आनंद लिया। कार्यक्रम में ग्रुप संस्थापक अध्यक्ष राकेश - समता गोदिका की वैवाहिक वर्षगांठ भी सेलिब्रेट की गई।

अंत में कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी सदस्यो का विशेष रूप से कार्यक्रम सयोजको व रजिस्ट्रेशन का कार्य सुचारू रूप से करने के लिए राकेश- रेणु संघी, दिलीप - प्रमिला जैन व पवन - रीटा पाटनी का ग्रुप संस्थापक अध्यक्ष राकेश गोदिका ने आभार व्यक्त किया। @ पेज 17 पर

# मनोरंजक बसंतोत्सव व वेलेंटाइन डे मनाया

# जैन सोश्यल ग्रुप केपिटल संगिनी फोरम ने बसंतोत्सव और वैलेन्टाइन डे रोमांटिक फिल्म देखकर मनाया

## पूर्व संध्या पर मूवी 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' देखी

**जयपुर. शाबाश इंडिया**

जैन सोश्यल ग्रुप केपिटल संगिनी फोरम द्वारा बसंतोत्सव व वैलेन्टाइन डे का सेलिब्रशन रोमांटिक मूवी देख कर किया। ग्रुप संस्थापक अध्यक्ष विनिता जैन व पूर्व अध्यक्ष समता गोदिका ने बताया कि बसंतोत्सव व वैलेन्टाइन डे की पूर्व संध्या पर सभी सदस्यो को रोमांटिक मूवी 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' दिखाई गई।

ग्रुप अध्यक्षा श्रीमती शकुंतला पांड्या व सचिव अलका गोधा ने बताया कि संगिनी कैपिटल की 80 सदस्याओं ने मूवी देखी। सभी को फिल्म बहुत अच्छी लगी।

पूर्व अध्यक्ष हेमा सोगानी व निवर्तमान अध्यक्ष मीना चौधरी के अनुसर सभी सदस्याओं ने जीटी सैंट्रल में फिल्म से पहले हाई टी व अंत में स्वादिष्ट भोजन का लुत्फ उठाया।